

चक्रवात और अतिवृष्टि की आशंका को देखते हुए भिलाई निगम अलर्ट, नालियों व पुलियों की सफाई के लिए विशेष अभियान शुरू

नई दृष्टिविंदु / भिलाई

मौसम विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार चक्रवात के उत्तरी आंध्र प्रदेश स्टेट पर लैंडफॉल करने की संभावना जताई गई है। इसके प्रभाव से छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों में अतिवृष्टि की आशंका को देखते हुए नगर पालिक निगम भिलाई प्रशासन सर्वकं गंभीर है। संभावित भारी बारिश के दौरान शहर में जलभराव की स्थिति निमित्त न हो तथा बरसाती पानी की निकासी सुचारु रूप से हो सके, इसके लिए निगम आयुक्त सुरेश सिंह के निर्देशानुसार निगम क्षेत्र में नालियों एवं पुलियों की साफ-सफाई के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

निगम आयुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि संभावित अतिवृष्टि को ध्यान में रखते हुए निगम क्षेत्र की सभी प्रमुख नालियों, पुलियों एवं जल निकासी मार्गों की प्राथमिकता के



आधार पर साफ-सफाई सुनिश्चित की जाए। विशेष रूप से ऐसे स्थानों पर ध्यान दिया जाए, जहां

बारिश के दौरान जलभराव की समस्या उत्पन्न होती है। नालियों में जमा कचरा, मिट्टी एवं अन्य अवरोधों को हटाकर पानी के बहाव को सुचारु बनाया जाए, ताकि भारी बारिश होने की स्थिति में नागरिकों को परेशानियों का सामना न करना पड़े।

आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि निगम क्षेत्र की निचली वस्तियों, जलभराव वाले स्थानों एवं बाढ़ संभावित क्षेत्रों की पहचान कर आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित की जाएं। संभावित आपात स्थिति से निपटने के लिए आवश्यकतानुसार राहत एवं बचाव की व्यवस्था भी रखी जाए। उन्होंने कहा कि नागरिकों की सुरक्षा एवं सुविधा निगम प्रशासन की प्राथमिकता है। इसलिए संभावित भारी बारिश से पहले ही सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं।

नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा संभावित भारी बारिश से निपटने के लिए एहतियाती कदम उठाए जा रहे हैं। नालियों एवं पुलियों की सफाई के साथ



ही सैवेंडलनली क्षेत्रों की निगरानी की जा रही है, ताकि बारिश के दौरान जल निकासी व्यवस्था सुचारु बनी रहे तथा आम नागरिकों को राहत मिल सके।

खास खबर

भद्रेश्वर महाकाल मंदिर में टाइल्स-मार्बल कार्य का किया गया भूमिपूजन



नई दृष्टिविंदु / भिलाई

16 भिलाई। सेक्टर-5 स्थित भद्रेश्वर महाकाल शिव मंदिर में डोम शेड के नीचे टाइल्स, मार्बल एवं ग्रेनाइट लगाने के कार्यों का भूमिपूजन विधि-विधान से संपन्न हुआ। पंडित विजय प्रकाश पांडेय ने मंत्रोच्चार के साथ पूजन कराया।

यह कार्य 2023-24 में सांसद निधि की बचत राशि से लोक निर्माण विभाग में जमा 3 लाख रुपये से कराया जा रहा है। दुर्ग सांसद विजय बघेल की धर्मपत्नी एवं मंदिर की संरक्षक रंजना बघेल ने पूजा-अर्चना कर भूमिपूजन किया। मंदिर समिति के अनुसार ब्रह्मलुओं की सुविधा और व्यवस्था बेहतर बनाने के लिए यह कार्य किया जा रहा है।

इस अवसर पर मंदिर समिति के संरक्षक राजू कृष्ण, हरीश देवांगन, वीर सिंह राजपूत, टी.आर.कनीजिया, देवेन्द्र कुमार दुबे, राठीर, कोचंद, राज प्रकाश भोले सहित सैकड़ों ब्रह्मलु एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। सभी ने भगवान महाकाल से क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की।

दलदल में फंसी भैंस के लिए देवदूत बनी भिलाई निगम की टीम, कड़ी मशक्कत के बाद सुरक्षित निकाला



भिलाई। कोसानाला क्षेत्र में एक भैंस के गहरे दलदल में फंस जाने पर नगर पालिक निगम भिलाई की टीम ने तत्परता दिखाते हुए बचाव कर उसकी जान बचाई।

जानकारी के अनुसार कोसानाला में भैंस खटाल संचालित करने वाले मुकुल की रानी नामक भैंस गहरे दलदल में फंस गई थी और खुद बाहर नहीं निकल पा रही थी। घटना की जानकारी मिलते ही निगम की टीम मौके पर पहुंची और राहत-बचाव कार्य शुरू किया। काफी देर तक कड़ी मशक्कत और सावधानीपूर्वक प्रयास के बाद टीम ने भैंस को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। बचाव के दौरान टीम ने पूरी सतर्कता बरती ताकि भैंस को चोट न पहुंचे। भैंस के सुरक्षित निकलने पर मालिक मुकुल ने राहत की सांस ली। निगम की इस पहल की सराहना हो रही है।

खाद्य और औषधि प्रशासन ने की कार्यवाही

दुर्ग। खाद्य एवं औषधि प्रशासन दुर्ग की औषधि शाखा एवं नाकॉटिक नियंत्रण विभाग रायपुर द्वारा औषधि निरीक्षकों दुर्ग एवं नाकॉटिक नियंत्रण विभाग रायपुर की संयुक्त जांच दल ने दुर्ग एवं भिलाई शहर के विभिन्न 05 मेडिकल स्टोर्स पर नाकॉटिक एवं साईकोट्रॉपिक औषधियों के क्रय-विक्रय की विस्तृत जांच की गई। जांच क्रिये गए मेडिकल स्टोर्स में मेसर्स जनाल मेडिकल स्टोर्स, सडक-18, कैम्प-01, भिलाई एवं मेसर्स देवांगन मेडिकल स्टोर्स, शास्त्री मेडिकल, पावर हाउस, भिलाई में औषधियों के क्रय-विक्रय रिकार्ड नियमानुसार नहीं पाए जाने एवं रि. फार्मासिएट अस्पृश्यता पाए जाने के कारण निगमासार औषधि एवं प्रशासन सामग्री नियमावली 1945 के महतकर्मवाही की जाएगी। सहायक औषधि निरीक्षक संजय सिंह के अनुसार अन्य मेडिकल स्टोर्स मेसर्स स्पेश हॉस्पिटल फार्मासी, यमनगर, भिलाई, मेसर्स स्पाम मेडिकल्स, नंदिनी रोड, पावर हाउस, भिलाई एवं साई कामरान एंजेली दुर्ग में संचालन नियमानुसार पाया गया। कार्यवाही में औषधि निरीक्षक विश्व प्रसाद साहू, श्रीमती चंकला ठापुर, श्रीमती जयश्री साहू एवं नाकॉटिक नियंत्रण विभाग रायपुर से निरीक्षक त्रिलोक कुमार एवं उपनिरीक्षक अंकित मीणा शामिल थे।

चक्रवाती तुफान 'अर्नब' के प्रभाव से बचने के समुचित उपाय करें - कलेक्टर सिंह

निर्माण कार्य एंजेंसी विभाग भुगतान लंबित न रखे, निर्वाचन कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दें, विभागीय अधिकारी/कर्मचारियों का कराएं डाटा एंट्री

नई दृष्टिविंदु / दुर्ग

कलेक्टर अभिजीत सिंह की अध्यक्षता में कलेक्टरेट सभाकाल में समग्र-सीमा प्रकरणों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। उक्त बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने अधिकारियों को अवगत कराया कि मौसम विभाग द्वारा चक्रवाती तुफान अर्नब के प्रभाव और आने वाले दिनों में इससे और अधिक तीव्र होकर अति प्रचंड चक्रवाती तुफान में बदलने के कारण 28 और 29 अक्टूबर को छत्तीसगढ़ में चक्रवाती पर भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।

इस संबंध में मौसम विभाग द्वारा जारी चेतावनी के अनुसार जिले में चक्रवाती तुफान अर्नब के प्रभाव से बचने कारगर रहल किया जाए। उन्होंने कहा कि अतिवृष्टि को ध्यान में रखते हुए सभी आवश्यक तैयारी कर लिया जाए। नगरिय निकायों एवं ग्रामाण क्षेत्रों में सूचना वंत्र को सक्रिय रखें प्रभावित लोगों को उठराने के लिए राहत कैम्प स्थान

हर बच्चे का बचपन, हम सबकी जिम्मेदारी

दुर्ग में कानून की जानकारी से बच्चों को सुरक्षा, साहस और अधिकारों की पहचान



नई दृष्टिविंदु / दुर्ग

किसी बच्चे के लिए विद्यालय केवल पढ़ाई की जगह नहीं, बल्कि सपने देखने, आगे बढ़ने और अपने भविष्य को आकार देने का स्थान होता है। लेकिन इन सपनों की राह में यदि असुरक्षा, शोषण, बाल विवाह या इंटरनेट की दुनिया में खिंचे खतरे आ जाएं, तो बच्चे को केवल सहानुभूति नहीं, बल्कि सही जानकारी, सुरक्षा और समय पर सहायता की भी आवश्यकता होती है। इसी सोच के साथ जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग ने सुरक्षित बचपन अभियान के माध्यम से विद्यालयों में बच्चों तक कानून और उनके अधिकारों की जानकारी पहुंचाने की पहल की है।

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली तथा छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर के निर्देशानुसार, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग के अध्यक्ष के. विनोद कुंजर के मार्गदर्शन में जिले के विभिन्न विद्यालयों में जागरूकता शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। प्राधिकरण के सचिव उमेश कुमार भागवतकर के समन्वय में संचालित इन प्रयासों का केंद्रविंदु एक सरल, लेकिन महत्वपूर्ण विचार है - बच्चे अपने अधिकारों को जानें, खतरे को पहचानें और जरूरत पड़ने पर सहायता मांगने से न डरें।

अभियान की थीम जागरूकता, सुरक्षा और संरक्षण हर बच्चे का अधिकार है, जबकि इसका मूल परदेश है - हर बच्चे का बचपन, हम सबकी जिम्मेदारी। यह वदेश केवल एक नारा नहीं, बल्कि बच्चों, परिवारों, विद्यालयों और समाज के बीच साझा जिम्मेदारी की भावना विकसित करने का आह्वान है।

इसी उद्देश्य से चंद्रशेखर हायर सेकेंडरी स्कूल दुर्ग, रैखामी आचार्यंद उल्फहर्दिटी अंग्रेजी मध्यम विद्यालय दीपक नगर, शासकीय उच्चतर

कानून की जानकारी, बच्चों की अपनी भाषा - इस अभियान की विशेषता यह है कि बाल संरक्षण जैसे गंभीर विषयों को केवल कानूनी प्रावधानों तक सीमित न रखते हुए बच्चों के दैनिक जीवन से जोड़कर समझाने पर बल दिया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत छह विषय निर्धारित किए गए हैं - 'मेरा बचपन, मेरा अधिकार', 'कानून जानो, बचपन बचाओ', 'सुरक्षित किलक, सुरक्षित बचपन', 'बोली, बताओ, बचाओ', 'ना बाल विवाह, ना बाल शोषण' तथा 'जागरूक बचपन, सशक्त भारत'। इन विषयों के माध्यम से बच्चों को उनके अधिकारों, व्यक्तिगत सुरक्षा, इंटरनेट के सुरक्षित उपयोग, शिकावत दर्ज करने की प्रक्रिया और सहायता प्राप्त करने के उपलब्ध माध्यमों से परिचित कराया जा रहा है। विद्यालयों में चर्चित विषयों पर विशेष जागरूकता गतिविधियों के जरिए बच्चों को यह समझाने का प्रयास किया गया कि असुरक्षित परिस्थितियों को पहचानना, अनुचित व्यवहार के विरुद्ध आवाज उठाना और किसी शिविरस्थानी व्यक्ति अथवा सक्षम प्रतिकारी से सहायता मांगना उनके अधिकारों का हिस्सा है।

जागरूकता से आत्मविश्वास तक: सुरक्षित बचपन की दिशा में पहला कदम यह है कि कच्चा यह समझ सकें कि उसकी सुरक्षा, परिभाषा और सम्मान महत्वपूर्ण हैं। उसे यह पता हो कि किसी भी प्रकार के शोषण या उत्पीड़न की स्थिति में चुप रहना उसकी मजबूरी नहीं है और सहायता मांगने के लिए उचित व्यवस्थाएं उपलब्ध हैं।

पशु कल्याण, अवैध पशु परिवहन की रोकथाम, पशु जन्म नियंत्रण, टीकाकरण और निराश्रित पशुओं के व्यवस्थापन सहित विभिन्न मुद्दों पर की गई समीक्षा



विभिन्न वर्गों के साहीवाल पशुओं की नीलामी 30 अक्टूबर को

पशुचिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय अंजोरा दुर्ग के अंतर्गत संचालित डेयरी इकाई (बुल मंद एक्सपेरिमेंटल डेयरी फार्म) में विभिन्न वर्गों के साहीवाल पशुओं जैसे दुधारू गाय, सूखी गाय/गाभिन गाय, कलंग गाय, नर वर, मादा वर, की नीलामी 30 अक्टूबर 2026 को प्रातः 10 बजे से किया जाएगा। सभी इच्छुक पशुपालक/कृषक उक्त नीलामी तिथियों में अपनी समीक्षा प्रस्तुत कर रोक लगाने हेतु नियमित निगरानी करने के निर्देश दिये।

पशु क्रूरता निवारण अधिनियम 1960 के प्रावधानों और दण्डात्मक कार्यवाही की जानकारी आम लोगों तक पहुंचाने हेतु आवश्यक कार्यवाही करने को कहा गया।

पशु क्रूरता निवारण अधिनियम के संबंध में एक एसओ तैयार कर संबंधित विभाग को प्रेषित करने पशुधन विकास विभाग को निर्देश दिये गये। बैठक में नगर निगम दुर्ग की आयुक्त

सुश्री लीना कोसम, नगर निगम भिलाई की आयुक्त सुश्री सुरेश सिंह, नगर निगम भिलाई चरोदा के आयुक्त सुदेश सुन्दरनी, नगर निगम रिसाली की आयुक्त श्रीमती मोनिका वर्मा, पुलिस, राजस्व, पशुधन विकास विभाग तथा समिति के सदस्य उपस्थित थे।

जिम्मेदार अधिकारी/कर्मचारी को कारण बताओ नोटिफ दिया जाए।

ई-ऑफिस प्रक्रिया के तहत फाईल लंबित न रखकर पारक करना सुनिश्चित करें। विभाग में जिस कर्मचारी द्वारा फाईल लंबित रखी गई हो उसे संबंधित विभाग/कार्यालय प्रमुख समक्ष में जानकारी करावें। कलेक्टर ने अवगत कराया कि आगामी दिनों में जिले में धान खरीती प्रारंभ होने की रही है। इस वर्ष 123 खरीती केंद्रों में धान की खरीदी की जाएगी। उन्होंने संबंधित विभाग के अधिकारियों को अभी से इन केंद्रों में समुचित प्रबंध करने के निर्देश दिये। समग्र-सीमा प्रकरणों की समीक्षा के दौरान कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि प्रकरण निराकृत होने के पश्चाई विलोपित करने कलेक्टर को फाईल प्रस्तुत किया जाए। उन्होंने नगरिय निकाय भिलाई-3 चरोदा, जामुल एवं उदई में एएटीपी हेतु भूमि आवंटन कार्यवाही प्रगति लाने के निर्देश दिये। इसी प्रकार बंदोबस्त टुटि सुधार हेतु संबंधित तहसीलदार को आवश्यक

जानकारी भु-अभिलेख शाखा को प्रस्तुत करने के निर्देश दिये। उन्होंने जनशिक्षावत से संबंधित मुख्यमंत्री जनसहरी कलेक्टर जनश्री, पीजी पोर्टल, सेवो सेवो पोर्टल एवं ई-समाधान से संबंधित शिकायतों का तत्परतापूर्वक निराकरण करने के निर्देश दिये। बैठक में समग्र शिक्षा के कार्यों, स्कूली बच्चों का आधार सीईन, आयुधनाई एवं वय वंदन योजना तथा विभिन्न स्कूलों और कालेजों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की छात्रवृत्ति प्रकरणों की अद्यतन स्थिति की भी समीक्षा की गई।

बैठक में नगर निगम दुर्ग की आयुक्त सुश्री लीना कोसम, नगर निगम भिलाई की आयुक्त सुश्री सुरेश सिंह, एडीएम विरेन्द्र सिंह, अपर कलेक्टर श्रीमती रिसाली थामस, अपर कलेक्टर खेमलाल वर्मा, नगर निगम भिलाई चरोदा के आयुक्त सुदेश सुदेश सुन्दरनी, नगर निगम रिसाली की आयुक्त श्रीमती मोनिका वर्मा सहित सभी एएटीपी व जनपद सॉईओ और सभी विभागों के जिला प्रमुख अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर लंगेह धान खरीदी के पूर्व तैयारियों का जायजा लेने अंतर्राज्यीय चेक पोस्ट सिंधोड़ा व रेहटीखोल पहुंचे

चेक पोस्टों में जांच व्यवस्था, वाहनों की आवाजाही, दस्तावेजों के सत्यापन और सुरक्षा संबंधी व्यवस्थाओं का लिया जायजा

नई दृष्टिविंदु / रायपुर

आगामी धान खरीदी को ध्यान में रखते हुए जिले में अंतर्राज्यीय सीमाओं पर निगरानी व्यवस्था को प्रभावी बनाने तथा अवैध परिवहन पर नियंत्रण रखने कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने सोमवार को उड़ीसा सीमा से लगे सरायपाली विकासखंड अंतर्गत अंतर्राज्यीय चेक पोस्ट स्थापित करने रिसर्च, सिंधोड़ा एवं रेहटीखोल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने चेक पोस्टों में जांच व्यवस्था, वाहनों की आवाजाही, दस्तावेजों के सत्यापन और सुरक्षा संबंधी व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि चेक पोस्टों पर सतत निगरानी रखते हुए जांच प्रक्रिया को सुदृढ़, पारदर्शी और प्रभावी बनाया जाए, ताकि अवैध परिवहन पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री लंगेह ने चेक



पोस्टों से गुजरने वाले वाहनों की आवाजाही तथा उनके दस्तावेजों की जांच को प्रक्रिया के संघर्ष में निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी अभिलेखों का नियमित



चेक पोस्टों पर तैनात कर्मचारी पूरी सतर्कता और जिम्मेदारी के साथ अपने कर्तव्यों को निर्वहन करेंगे। वाहनों की जांच के दौरान आवश्यक दस्तावेजों का सविधान सत्यापन किया जाए तथा संधिध

इसके साथ ही अंतर्राज्यीय सीमाओं से होने वाली वाहनों की आवाजाही पर निरंतर निगरानी रखी जाए, ताकि नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के विरुद्ध समय पर कार्रवाई सुनिश्चित हो सके।

उन्होंने चेक पोस्टों में सुरक्षा संबंधी व्यवस्थाओं को दुरुस्त रखने, सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से निगरानी बनाए रखने तथा ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों एवं कर्मचारियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया। कलेक्टर ने कहा कि जांच व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही बनाए रखना आवश्यक है। इसके लिए सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें तथा किसी भी संधिध गतिविधि की जानकारी मिलने पर तत्काल आवश्यक कार्रवाई करें। निरीक्षण के दौरान अनुविभागीय अधिकारी राज्यस्व श्री तेजपाल सिंह धुव, तहसीलदार श्रीराम पंडा, खाद्य, सहकारिता एवं राज्यस्व विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

खास खबर

बस्तर दशहरा का हुआ समापन, कलश यात्रा के साथ माता मावली को दी गई आत्मीय विदाई



नई दृष्टिविंदु / रायपुर-बस्तर

हजारों श्रद्धालुओं ने आस्था के साथ माता मावली की डोली और दत्तेश्वरी माई के छत्र की दी विदाई

ऐतिहासिक बस्तर दशहरा के 75 दिवसीय विशाल धार्मिक अनुष्ठानों का सुंदर पंखुड़ियों में समापन हुआ। बा डोली के प्रस्थान के समय उत्पन्न जलजमूदाय और श्रद्धालुओं ने वायवर्त के बीच माता पर गुलबारी की पंखुड़ियों की पुष्पवर्षा कर आस्था के साथ विदा किया। इस धार्मिक विधान में देव और सामाजिक को लकड़ी से निर्मित करीब 15 साल पुरानी डोली आकर्षण का मुख्य केंद्र रही, जिसमें कवीच चार किलो चांदी, दोनों ओर चांदी की प्रतिमाएं और 45 चांदी के गुब्बे जड़े हुए हैं।

परंपरा अनुसार बस्तर जगपतिवार के सदस्य कमलचंद्र भंडेदार और श्रद्धालुओं ने माता की करीब 20 किलो वजन की डोली को कंधों पर उठाकर जिया डेरा तक पहुंचाया, जिसके बाद डोली और छत्र को दत्तेवाड़ा के लिए तैदा किया गया। इस पावन अवसर पर मौजूद दर्शनार्थियों को 76 किलो वुंटी और लड्डू से तैयार किए गए 5 हजार से अधिक केकटों में प्रसाद का वितरण किया गया। साथ ही माता को विदाई रस्म के तहत 25 किलो चावल, 11 किलो दाल, घी, मसाले और अग्रहार सामग्री भेंट स्वरूप अर्पित की गई।

ऐतिहासिक बस्तर दशहरा के 75 दिवसीय विशाल धार्मिक अनुष्ठानों के दौरान अनेक देवी-देवताओं की उपस्थिति में संपन्न हुए उक्त आयोजन के साथ ही बस्तर के इस अनूठे पारंपरिक पर्व का औचित्यपूर्ण समापन हो गया। इस मौके पर राज्य नीति आयोग के उपाध्यक्ष गणेश शंकर मिश्रा, सांसद बस्तर एवं अध्यक्ष बस्तर दशहरा समिति महेश कश्यप, उपाध्यक्ष बस्तर दशहरा समिति बलराम मांझी सहित मांझी-चालकी, मंत्र-मंत्रोच, कल-पांडे और अन्य सदस्य समेत कमिश्नर बस्तर डोमन सिंह तथा जिला प्रशासन के अधिकारी-कर्मचारी और बड़ी संख्या में श्रद्धालु गणमाया नागरिक मौजूद रहे।



मिती थी। शुरुआत में खिलाड़ियों पर दबाव साफ दिख रहा था।

आधुनिक तकनीक और नवाचार से अधोसंरचना विकास को मिलेगी नई दिशा : आवास और पर्यावरण मंत्री चौधरी

मुख्यमंत्री साय के नेतृत्व में गृह निर्माण व अधोसंरचना विकास मंडल को आर्थिक रूप से सुदृढ़, आत्मनिर्भर और बहुआयामी संस्था बनाने की दिशा में हो रहे प्रयास

नई दृष्टिविंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल को आधुनिक तकनीक, नवाचार और बेहतर प्रबंधन के माध्यम से आर्थिक रूप से सुदृढ़, आत्मनिर्भर तथा बहुआयामी अधोसंरचना विकास संस्था के रूप में विकसित करने की दिशा में निरंतर प्रयास किया जा रहे हैं। इसी उद्देश्य से मंडल द्वारा नवा रायपुर अटल नगर स्थित छत्तीसगढ़ संसद के ऑडिटोरियम में राज्य स्तरीय तकनीकी प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में प्रदेश भर से आए अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आधुनिक निर्माण तकनीक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), वित्तीय प्रबंधन, संपदा प्रबंधन, टाउन प्लानिंग स्क्रीम तथा सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) सहित विभिन्न विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन प्रदान किया गया। कार्यशाला को संबोधित करते हुए आवास एवं पर्यावरण मंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि बदलते समय और विकास की बढ़ती आवश्यकताओं के अनुरूप मंडल को अपनी कार्यशाला, तकनीकी दक्षता और कार्यक्षेत्र का विस्तार करना होगा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार मंडल को आर्थिक रूप से सक्षम और आत्मनिर्भर संस्था के रूप में विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक, नवाचार, बेहतर वित्तीय प्रबंधन और परिणामोन्मुखी कार्यसंस्कृति अपनाकर मंडल प्रदेश में अधोसंरचना विकास को नई दिशा दे सकेगा है।

मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल के पास अनुभवी अभियंताओं, तकनीकी अधिकारियों और कर्मचारियों का बड़ा मानव संसाधन उपलब्ध है। इस विशेषज्ञता और अनुभव का उपयोग केवल आवास निर्माण तक सीमित नहीं रहना चाहिए। मंडल को सड़क, पुल-पुलिया, खेल परिसर, स्टैडियम, सार्वजनिक भवन, टाउन प्लानिंग तथा शहरी पुनर्विकास जैसी परियोजनाओं के निर्माण में भी विशेषज्ञ संस्था के रूप में अपनी पहचान स्थापित करनी होगी। उन्होंने कहा कि मंडल को अपनी तकनीकी और प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता का विस्तार करते हुए अंतर राज्य की जिल्लाओं में भी भागीदारी के अवसर खोजने चाहिए। इसके लिए अधिकारियों-कर्मचारियों को आधुनिक निर्माण तकनीकों, बेहतर परियोजना प्रबंधन, वित्तीय अनुशासन और गुणवत्ता नियंत्रण के क्षेत्र में निरंतर अपनी दक्षता बढ़ानी होगी।

श्री चौधरी ने कहा कि मंडल की आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाने की दिशा में राज्य सरकार द्वारा महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। राज्य सरकार के सहयोग से मंडल की



लगभग 700 करोड़ रुपये की ज़रूफ देनदारी समाप्त की गई है। इसके साथ ही वन टाइम सेलेंटम (ओटीएस-2) योजना तथा प्रभावी विपणन प्रयासों के माध्यम से लंबे समय से रिक पड़ी आवासीय एवं व्यावसायिक संपत्तियों के विक्रय को गति मिली है। उन्होंने कहा कि भविष्य की आवासीय परियोजनाओं में वास्तविक मांग का आकलन, निर्माण की गुणवत्ता, वित्तीय व्यवहारिता और नगरिक सुविधाओं को ध्यान में रखा जा रहा है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वक़ायी राशि की वसूली के लिए फ़ील्ड स्तर पर प्रभावी प्रयास किए जाएं तथा शुभ्य वक़ायी राशि के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में गंभीरता से कार्य किया जाए। उन्होंने कहा कि मंडल को आर्थिक सुदृढ़ता के लिए संपत्तियों का प्रभावी प्रबंधन, राजस्व अर्जन और वक़ायी वसूली अत्यंत आवश्यक है।

पीपीपी, टाउन प्लानिंग और पुनर्विकास मंडल से अधोसंरचना विकास को मिलेगी गति

मंडल अध्यक्ष सिंह देव ने कहा कि तेजी से विकसित होती अर्थव्यवस्था में अधोसंरचना निर्माण की बढ़ती आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए केवल सरकारी बजट पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं है। इसके लिए आवश्यक-निजी भागीदारी (पीपीपी), टाउन प्लानिंग स्क्रीम (टीएनपी), पुनर्विकास तथा अन्य नवाचार वित्तीय मॉडल अपनाकर की आवश्यकता है। इन व्यवस्थाओं के माध्यम से मंडल नई परियोजनाओं को गति देने के साथ अपनी वित्तीय क्षमता को भी विस्तार कर सकता है। उन्होंने कहा कि मंडल का उद्देश्य प्रदेश से सी 33 जिलों में नागरिकों को बेहतर सुविधाओं से युक्त व्यवस्थित, सुस्थित और आधुनिक आवासीय परिसर उपलब्ध कराना है। नई आवासीय योजनाओं में केवल भवन निर्माण ही नहीं, बल्कि उद्यान, बाजार, सामुदायिक सुविधाएं, पर्यावरण संरक्षण और इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशन जैसी सुविधाओं को विकास पर भी विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए।



प्रशिक्षण से बढ़ेगी अधिकारियों की तकनीकी दक्षता और कार्यक्षमता : आयुक्त अद्वितीय कुमार शर्मा

मंडल आयुक्त अद्वितीय कुमार शर्मा ने कहा कि आधुनिक तकनीक और अधोसंरचना विकास की बदलती आवश्यकताओं के अनुरूप अधिकारियों एवं कर्मचारियों का निरंतर क्षमता विकास आवश्यक है। इस प्रकार की प्रशिक्षण कार्यशालाएं अधिकारियों को नवीन तकनीकों, प्रबंधन पद्धतियों और कार्यशालाओं से परिचित कराने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। उन्होंने कहा कि कार्यशाला में प्राप्त ज्ञान का उपयोग अधिकारियों को अपने कार्यक्षेत्र में करना चाहिए, ताकि मंडल और परियोजनाओं में निर्माण गुणवत्ता, समयबद्धता, वित्तीय अनुशासन और पारदर्शिता सुनिश्चित की जा सके। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सहित आधुनिक तकनीकों का उचित उपयोग प्रशासनिक प्रक्रियाओं को अधिक प्रभावी और व्यवस्थित बनाने में सहायक होगा। श्री शर्मा ने अधिकारियों-कर्मचारियों से जिम्मेदारी, नवाचार और टीमवर्क की भावना के साथ कार्य करने का आह्वान करते हुए कहा कि प्रत्येक अधिकारी और कर्मचारी को मंडल की कार्यक्षमता बढ़ाने तथा नागरिकों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध करने में सक्रिय योगदान देना चाहिए।

आईआईएम, आईआईआईटी और एनआईटी के विशेषज्ञों ने सुराशन, एआई और आधुनिक निर्माण तकनीकों पर साक्षात्कार किया

कार्यशाला में देश के प्रतिष्ठित तकनीकी एवं प्रबंधन संस्थानों के विशेषज्ञों ने विभिन्न विषयों पर अधिकारियों-कर्मचारियों का मार्गदर्शन किया। आईआईएम रायपुर के निदेशक डॉ. संजिव पाराशर ने गुड गवर्नंस अर्थात् सुराशन और प्रभावी प्रशासनिक प्रबंधन पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने महाभारत के विभिन्न पात्रों का उल्लेख करते हुए राजधर्म और व्यक्ति के कर्तव्यों की महत्ता पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने प्रशासनिक जिम्मेदारियों के

निर्वहन में कर्तव्यनिष्ठ, नेतृत्व क्षमता और बेहतर प्रबंधन की आवश्यकता पर जोर दिया।

आईआईआईटी नवा रायपुर के प्रोफ़ेसर डॉ. श्रीनिवास के.जी. ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और उसके व्यावहारिक उपयोग के संबंध में जानकारी दी। वहीं एनआईटी रायपुर के प्रोफ़ेसर डॉ. जी.डी. रामेंकर ने स्ट्रक्चर डिजाइन, आरसीसी संरचनाओं की मजबूती तथा आधुनिक निर्माण तकनीकों से संबंधित महत्वपूर्ण विषयों पर मार्गदर्शन प्रदान किया। कार्यशाला में आवास एवं पर्यावरण विभाग के सचिव अंकित आनंद तथा मंडल आयुक्त अद्वितीय कुमार शर्मा ने मंडल की वर्तमान गतिविधियों, कार्यों के विस्तार और भविष्य की संभावनाओं से संबंधित विषयों पर अपने विचार साझा किए। इसके अतिरिक्त विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों तथा मंडल के विशेषज्ञों द्वारा नेतृत्व क्षमता, सुराशन, वित्तीय जोखिम प्रबंधन, संपदा प्रबंधन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, आरसीसी संरचनाओं की मजबूती और आधुनिक परियोजना विपणन सहित विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया।

कार्यशाला का उद्देश्य मंडल के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आधुनिक तकनीक, बेहतर प्रशासनिक प्रबंधन और अधोसंरचना विकास के नए अवसरों से परिचित कराने हुए उनकी तकनीकी दक्षता, नियंत्रण क्षमता और कार्यकुशलता को सुदृढ़ बनाना था। इस अवसर पर आवास एवं पर्यावरण विभाग के सचिव अंकित आनंद, मंडल अध्यक्ष अनुराग सिंह देव, आयुक्त अद्वितीय कुमार शर्मा, अपर आयुक्त केशव कुमार जोशी, अर्जुन सिंह पटेल, एम.डी. पनारिया, एस.के. भागत, सीईओ जी.बी. सिंह, सीओ श्रीमती पूजा शुक्ला मिश्रा, स्टाफ ऑफ़िसर श्री अरुण कुमार जंजोरी सहित मंडल के वरिष्ठ अधिकारी, अभियंता, तकनीकी विशेषज्ञ तथा प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

प्रतियोगिता

उप मुख्यमंत्री अरुण साव और स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल भी मैच देखने स्टेडियम पहुंचे

शाहरुख व आशीष ने संस्कारधानी स्ट्राइकर्स को दिलाई पहली जीत, राजधानी रॉयल्स को 4-2 से हराया

नई दृष्टिविंदु / रायपुर

संस्कारधानी स्ट्राइकर्स ने ललित उपाध्याय की राजधानी रॉयल्स को 4-2 से हराकर छत्तीसगढ़ हॉकी लीग में अपनी पहली जीत दर्ज की। शम्भेर की कप्तानी वाली स्ट्राइकर्स टीम शाहदर फ़ॉर्म में दिखी। मैच में आशीष तानी पूर्वी और शाहरुख ने 2-2 गोल किए। उप मुख्यमंत्री अरुण साव और स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के साथ छत्तीसगढ़ कैपिटल रीजन डेवलपमेंट अथॉरिटी के सीईओ चंदन कुमार, शाहदर ग्रुप के चेयरमैन (विन) योगेश शुक्ला, एसबीआई के क्षेत्रीय प्रबंधक आदर्श श्रीवास्तव, गोयल ग्रुप के मार्केटिंग हेड चंद्रशेखर और छत्तीसगढ़ प्रदाय सॉल्यूटिव प्रोपिएरिशन के महासचिव ओपी शर्मा भी इस मैच को देखने स्टेडियम पहुंचे थे। संस्कारधानी स्ट्राइकर्स और राजधानी रॉयल्स दोनों के लिए यह मुक़ाबला बहुत अहम था। टूर्नामेंट में बने रहने के लिए यह उक्त पास आखिरी मौका था, क्योंकि इससे पहले दोनों में से किसी को भी जीत नहीं



मिती थी। शुरुआत में खिलाड़ियों पर दबाव साफ दिख रहा था।

पहुंचने में मुश्किल हुई और उनका पूरा ध्यान गेंद पर अपना कब्जा बनाए रखने पर था। फिर भी, स्ट्राइकर्स ने लिए आशीष ने एक पेनल्टी कॉर्नर के जाल में गोल करके खाता खोला। काफी संघर्ष के बाद, हाफ-टाइम हट्टर बजने से ठीक पहले, रॉयल्स ने भी मैच में वापसी की। रोशन ने रिवर्स हिट के जाल में गोल करके स्कोर बराबर कर दिया। यह खेल एक बेहतर निमन नज़ा था, जिसमें उन्होंने सर्कल के अंदर कुछ खिलाड़ियों को छुआया, बाई और थोड़ी जगह बनाई और फिर एक शानदार शॉट लगाकर स्कोर बराबर कर दिया। राजधानी रॉयल्स का डिफेंस काफी हद तक अच्छा था, लेकिन शाहरुख को खुला छोड़ देने की एक छोटी सी गलती भारी पड़ गई। उन्होंने सर्कल के ठीक अंदर से एक 'रिवर्स पिलर' के जरिए गोल कर दिया। उस पल के बाद संस्कारधानी ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। टूर्नामेंट ने एक और पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर आश्चर्य में अपने कुल गोलों की संख्या 9 तक पहुंचा दी। तीसरे क्वार्टर के खत होने में जब एक मिनट बचा

था, तब शाहरुख ने एक बार फिर गोल किया। उन्हें दाईं ओर से पोस्ट के ठीक सामने एक बेहतर तरीके पास मिला था, जिसे उन्होंने गोल में बदल दिया। अब सवाल सिर्फ अपनी बढ़त को और बढ़ाने का था। हालांकि, राजधानी के लिए ललित ने भी गोल किया। एक पेनल्टी कॉर्नर के रिवाउंड पर उन्होंने गेंद को नेट के अंदर पहुंचा दिया। आशीष को 'स्ट्राइकर ऑफ द मैच' और शाहरुख को 'प्लेयर ऑफ द मैच' का पुरस्कार मिला।

चक्रपट्टी के खिलाफ 4-4 से ड्रा खेलने के बाद न्यायधानी नाइट्स पहुंची सेमीफाइनल में

आज के पहले ही मैच में लीग के सेमीफाइनल में मिल गए, जब सुरेंद्र सिंह की 'न्यायधानी नाइट्स' और एस.वी. की 'चक्रपट्टी चैंपियंस' के बीच मुक़ाबला 4-4 से ड्रा हुआ। पॉइंट्स टेबल में शीर्ष पर बने रहने के कारण नाइट्स ने आगे का सफर तय किया। चैंपियंस के लिए युराज वाव्मीकि ह्यो बन्कर उभरे, जिन्होंने तीन गोल किए, जबकि नाइट्स की ओर से केतन ने अपना सर्वश्रेष्ठ खेल दिखाया।

नाम प्रतिनिधन

प्रारूप एक

नाबालिक पुत्र/पुत्री के नाम परिवर्तन के मामले में (अभिभावक/पालक द्वारा प्रमाणित)

मैनीष कुमार संगर
MAINISH KUMAR SANGER (नाता/पिता/पालक का नाम) पिता अमर लाल संगर गाँव / शहर सी ब्लॉक 303, वार्ड नं. 55 महेश बस्ती के सामने, ब्रह्म ग्रीन सिटी दुर्ग, जिला दुर्ग छत्तीसगढ़ ने अपने नाबालिक पुत्री रश्मिका संगर RISHIKA SANGER (पुत्रा नाम) से बदलकर हर्षिता एम संगर HARSHITAA M SANGER (नया नाम) रखा लिया है।

माता/पिता/पालक के हस्ताक्षर

संपादकीय

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे को इतना गुर्रसा क्यों आया

सामान्य मनोविज्ञान का सवाल है कि आदमी को गुर्रसा क्यों आता है। किसी को बहुत ज्यादा गुर्रसा आता है तो भी सवाल किया जाता है कि इतना ज्यादा गुर्रसा क्यों आता है। सामान्य सी बात है यह ज्यादातर लोग जानते ही हैं क्योंकि सभी लोगों को गुर्रसा आता है और कभी कभी तो बहुत गुर्रसा आता है। आदमी जैसा चाहता है वैसा नहीं होता है आदमी को गुर्रसा आता है कि मेरे चाहने पर ऐसा क्यों नहीं किया गया या क्यों नहीं हुआ। मैं ऐसा चाहता हूँ तो ऐसा तो होना ही चाहिए। आदमी जैसा चाहता है वैसा नहीं होता है तो आदमी के अहंकार को चोट लगती है कि मैं चाहता हूँ और ऐसा हो नहीं रहा है। मैं चाहता हूँ और ऐसा किया नहीं जा रहा है। जब आदमी एक बार चाहता है नहीं होता है चोट लगती है, दूसरी बार चाहता है और नहीं होता है और गहरी चोट लगती है। तीसरी बार चाहता है और नहीं होती है तो और गहरी चोट लगती है। तीसरी बार के चोट से घाव गहरा होता है तो कोई भी जब याद दिला देता है कि आपने ऐसा चाहा तो क्यों नहीं हुआ या आप जो चाह रहे हो तो वह तो अब ही नहीं सकता तो बहुत गुर्रसा आता है।

पटना में यही हुआ और गहरे खाव पर फिर से चोट लगने पर कांग्रेस अध्यक्ष खरगे को बहुत गुर्रसा आया, इतना गुर्रसा आया कि वह भूल गए कि वह सामान्य कांग्रेस नेता नहीं है, देश की सबसे पुरानी व बड़ी राष्ट्रीय पार्टी के अध्यक्ष हैं, वह बुजुर्ग हैं, उनको ऐसी भाषा का प्रयोग नहीं करना है। पटना में रविवार को मल्लिकार्जुन खरगे विहार के पहले मुख्यमंत्री श्रीकृष्ण सिंह की 139वीं जयंती के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इसी दौरान मतदाता सूची के 'विशेष गहन पुनरीक्षण' (SIR) में कथित अनियमितताओं के बारे में बात करते हुए, खरगे ने कहा कि कांग्रेस इसमें शामिल लोगों को जेल भेजनी तो दर्शकों में से एक व्यक्ति ने उनसे कहा कि कहा, "मोदी कहीं नहीं जाएंगे, तो यह सुनकर खरगे को बहुत गुस्सा आया और उन्होंने कोई बार कह दिया कि "मोदी का साथ भी जाणू।

गांधी परिवार साहित्य खरगे वैसी ही 12 साल से परेशान है कि चुनाव में उनको हरा नहीं पा रहे हैं यानी कि वह चाहते हैं कि मोदी को जाना चाहिए लेकिन मोदी जा नहीं रहे हैं और यह आदमी कह रहा है कि मोदी कहीं नहीं जा रहा है। आदमी ने खरगे के गहरे खाव पर चोट कर दी तो खरगे को गुस्सा आ गया, बहुत ज्यादा गुस्सा आ गया और जो नहीं कहना चाहिए या वह कह दिया। जैसे खरगे ने पीएम के खिलाफ गुस्से में जो नहीं कहना चाहिए वह पहली बार नहीं कहा है, इससे पहले खरगे ने नवंबर 22 गुजरात में कहा था पीएम मोदी के रायण को तरह कहें सर हैं। अप्रैल 23 में कर्नाटक में कहा था कि वह जहरीले नाग की तरह हैं, अक्टूबर 24 में कर्नाटक में कहा था कि भाजपा आलंकृतियों की पाटी है, अप्रैल 26 में असम में कहा था कि अगर जहरीले साँप आरएसएस से भाजपा को खत नहीं किया गया तो ये किसी को सुरक्षित नहीं रहने देंगे।

पीएम मोदी, भाजपा व आरएसएस से गांधी परिवार व कांग्रेस नेता सबसे ज्यादा नफरत करते हैं, इन पर सबसे ज्यादा गुस्सा आता है क्योंकि इन्हीं के कारण सत्ता पर अपना स्वाभिव्यक्ति अधिकार मानने वाली कांग्रेस 12 साल से सत्ता से बाहर और 15 साल रहने वाली है। उनका जो सबसे बड़ा नेता राहुल गांधी है, वह एक चुनाव जिता नहीं पा रहा है, दोष राहुल गांधी में है लेकिन कांग्रेस नेता राहुल गांधी को दोषी नहीं बात सकते, राहुल गांधी पर गुस्सा नहीं कर सकते इसलिए वह सारा गुस्सा जब मोदी मिलता है। पीएम मोदी, भाजपा व आरएसएस पर निकालते रहते हैं। हकीकत में गुस्सा सत्ता में नहीं होता है कि, माना जाता है कि कांग्रेस आज तक पांच साल से ज्यादा सत्ता से दूर नहीं रही है, एक चुनाव हारने पर दूसरे चुनाव में वह सत्ता में वापस आ गई है। ऐसा पहली बार हो रहा है कि वह तीन बार चुनाव हार चुकी है और 15 साल तक सत्ता से बाहर रहने वाली है और चौथी बार भी सत्ता में वापसी की कोई सच्चा उम्मीद नहीं है।

ऐसा भी नहीं है कि कांग्रेस पीएम मोदी, भाजपा व आरएसएस को बुरा बुरा बोलती है तो उससे कांग्रेस को कोई फायदा होता है। जब भी कांग्रेस पीएम मोदी को बुरा बुरा बोलती है तो उससे कांग्रेस को चुनाव में नुकसान होता है, पीएम मोदी व भाजपा चुनाव जीत जाते हैं और कांग्रेस चुनाव हार जाती है। कभी सोनिया गांधी के बुरा कहने के कारण, कभी राहुल गांधी के बुरा कहने के कारण तो कभी खरगे के बुरा कहने के कारण कांग्रेस को चुनाव में नुकसान हो चुका है। राहुल गांधी पीएम मोदी को डरपोक, कायर, सरेंडर करने वाला, कुछ चुके हैं लेकिन जन्ता पीएम मोदी को ऐसा नहीं मानती है, राहुल गांधी चाहते हैं कि जन्ता उनको पीएम बनाए लेकिन जन्ता पीएम मोदी को पीएम बना देती है। यानी राहुल गांधी व खरगे जैसा चाहते हैं, देश की जनता वैसा कर नहीं रही है, इसलिए राहुल गांधी व खरगे को बहुत गुस्सा आता है जब कोई कहता है कि पीएम मोदी कहीं जाने वाले नहीं हैं। वह सत्ता पर अगले दोस बीस रहने वाले हैं। अमित शाह ने तो हाता ही में कहा है कि राहुल गांधी अगले तीन साल तक पीएम नहीं बनेंगे वाले हैं। जन्ता भी ऐसा करने तो राहुल गांधी व खरगे को ज्यादा गुस्सा कैसे नहीं आएगा। राहुल गांधी व खरगे को लोग सत्ता में आने का सपना नहीं देखने दे रहे हैं, सपना तोड़ देते हैं तो बहुत गुस्सा तो आएगा ही।

चुनाव आते ही भाषा की मयार्दा का पतन क्यों?



डॉ. मनमोहन प्रकाश, स्वतंत्र प्रकाश

लोकसत्ता में चुनाव विचारों, नीतियों और नेतृत्व की परीक्षा का अहसर होता है। राजनीतिक दलों से अपेक्षा की जाती है कि वे जनता के सामने विकास, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण और कॉमन-व्यवस्था जैसे बुनियादी मुद्दों पर अपना दृष्टिकोण रखें। लेकिन चुनाव नजदीक आते ही जनहित के प्रश्न पीछे छूटने लगते हैं और उनकी जगह व्यक्तिगत कटाक्ष, अपमानजनक टिप्पणियाँ तथा अस्पष्टीकृत भाषा लेनी लगती है। सवाल यह है कि क्या राजनीतिक विरोध के लिए अब भाषा की कोई मर्याद श्रृंखला नहीं रह गई है?

पिछले कुछ वर्षों में विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं के वक्तव्यों ने इस चिंता को बार-बार गहरा किया है। कभी किसी की चोर कहा जाता है, कभी विधेय को या रायण से उसकी तुलना की जाती है। कहीं धार्मिक आस्थाओं को भीमारीयों से जोड़कर उपाहार का विषय बनाया जाता है, तो कहीं किसी धर्म और परंपरा को समाप्त करने जैसी भाषा सुनाई



देती है। हाल के दिनों में विचार की राजधानी में आयोजित एक राजनीतिक सभा के दौरान देश के स्वायत्त राजनीतिक नेतृत्व के संरक्षकों में कई अभद्र टिप्पणियाँ भी राजनीतिक भाषा के गिरते स्तर पर बहस को फिर हवा दी है। क्या 2027 के कई राज्यों में होने वाले चुनाव सरकार का कारण है? विचारना यह है कि ऐसी भाषा का इस्तेमाल करने वाले नेता प्रचार: स्वयं को लोकतंत्र, संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों का सबसे बड़ा रक्षक बताते हैं। लेकिन क्या लोकतंत्र की रक्षा करने का दावा करने वालों को अपनी भाषा के प्रति अधिक जिम्मेदार नहीं होना चाहिए? राजनीतिक विरोध का अर्थ किसी प्रतिद्वंद्वी को अपमानित करना नहीं, बल्कि उसके विचारों, नीतियों और कार्यों की



तथ्यपरक समीक्षा करना है। किसी सभा को विफल करने या सवाल उठाना सार्वजनिक अधिकार है, लेकिन व्यक्तिगत अपमान उस अधिकार का पर्याय नहीं हो सकता। इसी तरह, सत्ता पक्ष को भी आलोचना का उचित तर्क और तथ्यों से देना चाहिए, न कि प्रतिआक्रमण और कटाक्ष से। यह प्रवृत्ति किसी एक राजनीतिक दल तक सीमित नहीं है। सत्ता पक्ष या विपक्ष, पूर्व में अनेक अवसरों पर दोनों ओर से ऐसे बयान सामने आते रहे हैं, जिसमें राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी को शत्रु की तरह स्मरण किया जाता है। एक पक्ष की अभद्र टिप्पणियों दूसरे पक्ष को वैसी ही भाषा अपनाने का बहाना देती है। इस प्रकार राजनीति में आरोप-प्रत्यारोप का ऐसा चक्र बन जाता है, जिसमें अपनी भाषा की

जिम्मेदारी स्वीकार करने के बजाय दूसरे की गलती का हवाला दिया जाता है। अंततः नुकसान लोकतांत्रिक संवाद और सार्वजनिक जीवन की गरिमा का होता है।

जब राजनीतिक दलों के धर्म, धार्मिक प्रतीकों और समुदायों की आस्थाओं तक पहुँचते हैं, तब उनका प्रभाव और गंभीर हो जाता है। भारत जैसे विविधसांस्कृतिक देश में धार्मिक विषयों से प्रति संवेदनशीलता सामाजिक सद्भाव की अनिवार्य शर्त है। किसी विचार, परंपरा या धार्मिक मान्यता को ताकिक आलोचना करना अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का हिस्सा है, लेकिन आस्था का अपमान करके राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश सामाजिक विभाजन को बढ़ा सकती है। निर्वाचन आयोग को आदर्श आधार संहिता भी धर्म और समुदायों के आधार पर वैमर्शपूर्ण बहानों तथा निजी जीवन पर अव्यवस्थित आक्षेप लगाने से बचने की अपेक्षा करनी चाहिए। राजनीतिक भाषा का प्रभाव केवल मूलों तक सीमित नहीं रहता। शीर्ष नेताओं के शब्द उनके समर्थकों और आम नागरिकों तक पहुँचते हैं। जब सार्वजनिक जीवन में एकमात्र भाषा सामान्य होने लगती है, तो समाज में भी असहमति के प्रति असहिष्णुता बढ़ने का खतरा पैदा होता है। इससे भी अधिक धैर्यपूर्ण यह है कि विवादालस्य बयान सुर्खियों बंटोते लेते हैं, जबकि वेरोजगारी, महंगाई, शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण जैसे प्रश्न राजनीतिक शोर में दब जाते हैं।

राजनीतिक दलों को अपने नेताओं के लिए स्पष्ट भाषाई आधार-मानक निर्धारित करने चाहिए। समाचार माध्यमों को भी सनसनी के बजाय मुद्दों और तथ्यों को प्राथमिकता देनी चाहिए। नागरिकों को नेताओं का मूल्यांकन उनके भाषणों की आक्रामकता से नहीं, बल्कि उनके काम, नीतियों और जनसमस्याओं के प्रति प्रतिबद्धता से करना चाहिए।

लोकतंत्र में असहमति आवश्यक है, कटु आलोचना भी स्वीकार्य हो सकती है, लेकिन अपमान लोकतांत्रिक सहार का प्रमाण नहीं है। चुनाव जीतने के लिए विरोधी को नीचा दिखाना आसान है; अपने तर्कों और कार्यों से जनता का विश्वास जीतना कठिन। राजनीति की वास्तविक परीक्षा इसी कठिन राह पर होती है। चुनाव आते-जाते रहेंगे, चहरे बदलते रहेंगे, लेकिन भाषा से निर्मित सामाजिक संस्कार लंबे समय तक बने रहेंगे। इसलिए प्रश्न किसी एक नेता या दल का नहीं, समूची राजनीतिक संस्कृति का है—क्या हम ऐसी राजनीति चाहते हैं, जिसमें शब्दों से प्रतिद्वंद्वी को अपमानित किया जाय, या ऐसी राजनीति, जिसमें विरोध भी हो और लोकतंत्र की गरिमा भी बनी रहे?

शहीद गुंडाधुर की धरती से लिखी जा रही बस्तर में बदलाव की कहानी



धनंजय राठीर संयुक्त संघातक, जनसंपर्क संवाचनालय, रायपुर

कभी नक्सल हिंसा और दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों के कारण बुनियादी सुविधाओं से कोसी दूर रहने वाले बस्तर के गांवों में अब विकास और विश्वास की एक नई और स्थायित्व इबारत लिखी जा रही है। कभी जिन क्षेत्रों में खौफ का साया रहता था, अब वहां सुरक्षा कैंप विकास और जनसेवा के केंद्र में तब्दील हो चुके हैं। बस्तर के नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में स्थापित लगभग 200 सुरक्षा कैंपों को ही शहीद गुंडाधुर सेवा डेरा के रूप में विकसित करने की महत्वाकांक्षी योजना पर काम चल रहा है, जिसके तहत पहले चरण में 70 कैंपों को इन सेवा डेरों में बदला जा रहा है। 1968 पहल आर बस्तर के ग्रामीणों के लिए डिजिटल सेवाओं, बैंकिंग, कौशल प्रशिक्षण और स्वास्थ्य सेवाएं एक नया सबल बन चुकी हैं।

विकास की मुख्यधारा से जुड़ता बस्तर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में बस्तर अब तेजी से आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री का कहना है कि ग्रामीणों में नंदर मोदी के मार्गदर्शन और केंद्रीय गृह मंत्री रामेश शहा के दृढ़ संकल्प से बस्तर आज नक्सलवाद के प्रभावों से मुक्त हो रहा है। सरकार का मुख्य लक्ष्य इसे देश के अग्रणी विकसित जनजातीय क्षेत्रों में शुमार करना है। निरन्तर नेक्ला नार योजना के माध्यम से आज सुदूर अंचलों तक सड़क, बिजली, पेयजल, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाएं पहुंचाई जा रही हैं। कृषि, पशुपालन और सिंचाई योजनाओं के जरिए ग्रामीणों की आय में लगातार इजाफा हो रहा है।

शहीद गुरु गुंडाधुर सेवा डेरा सुशासन और जनविश्वस का प्रतीक

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने 18 मई

2026 को बस्तर जिले के नेतानार स्थित सीआरपीएफ कैंप परिसर में देश के पहले शहीद गुरु गुंडाधुर सेवा डेरा को सुविधा केंद्र का उद्घाटन किया था। अब इस योजना का दायरा तेजी से बढ़ाया जा रहा है। नेतानार वही ऐतिहासिक भूमि है जो बस्तर के महान जननायक शहीद वीर गुंडाधुर की जन्मस्थली है। वर्ष 1910 के ऐतिहासिक भूमकाल विद्रोह में गुंडाधुर ने आदिवासी अस्मिता, स्वाभिमानी और जल-जंगल-जमीन के अधिकारों के लिए शोषणकारी अंग्रेजी सत्ता के खिलाफ हूँकार भरी थी। आज उसी ऐतिहासिक धरा पर खुला यह सेवा डेरा आदिवासी समाज के स्वावलंबन और आधुनिक विकास का नया केंद्र बन गया है।

एक ही छत के नीचे मिल रही हैं तमाम सरकारी सुविधाएं

पहले बस्तर के ग्रामीणों को छोटे-छोटे कार्यों, जैसे आधार कार्ड बनवाने, बैंक खाता खोलने या जाति-



निवास प्रमाण पत्र के लिए कई-कई किलोमीटर का सफर तय करना पड़ता था। लेकिन अब सेवा डेरा के माध्यम से यह सारी व्यवस्थाएं उनके गांव के पास ही उपलब्ध हो गई हैं। डिजिटल सेवाएं जैसे आधार कार्ड बनवाने व अपडेट कराने, केवाईसी, मोबाइल चर लिंक करने और जन्म-मृत्यु, आय व जाति प्रमाण पत्र जैसी ऑनलाइन सुविधाएं अब स्थानीय स्तर पर मिल रही हैं।

महिला स्व-सहायता समूहों से आ रही आर्थिक क्रांति

सेवा डेरा स्थानीय संसाधनों और पारंपरिक कौशल को बाजार से जोड़ने का बेहतरीन माध्यम बन गया है। महिलाएं में गुंडाधुर महिला स्व-सहायता समूह की नेतृताएं इमली का प्रसंकरण कर उच्च गुणवत्ता वाला इमली पर्यावरण कर रही हैं। समूह की सदस्य लंजी नाम बताती हैं कि इस कार्य से जुड़कर महिलाएं सालाना एक लाख रुपये तक की आय अर्जित करने में सक्षम हो रही हैं।



इसी तरह, सुखदेवी जैसी ग्रामीण महिलाओं के लिए जीवन आसान हुआ है, जिन्हें अब अपनी छोटी बच्ची का आधार बनवाने के लिए दूर नहीं जाना पड़ता।

स्थानीय परंपरा को संरक्षित हुए पारंपरिक ढंकी से चालव तैयार करने और उसकी विक्री से महिलाओं की अतिरिक्त आमदनी हो रही है, जबकि धान की भूरी का उपयोग पशु आहार के रूप में हो रहा है। इसके अलावा, सिलाई प्रशिक्षण केंद्र के जरिए महिलाओं को आयनिर्भर बनाया जा रहा है।

बैंकिंग सेवाएं (बैंक सखी)

महिलाओं को बैंक सखी के रूप में प्रशिक्षित किया जा रहा है, जिससे वे गांव में ही पैसे निकालने, जमा करने और खाते खोलने जैसी बैंकिंग सुविधाएं दे रही हैं। इन केंद्रों के माध्यम से स्वास्थ्य परामर्श, आंगनवाड़ी और प्राथमिक शिक्षा जैसे बुनियादी सुविधाएं भी सुलभ हो रही हैं।

आधुनिक बाजार और बेहतर पैकेजिंग से जुड़ रहा बस्तर

इन उत्पादों को वैश्विक पहचान दिलाने के लिए अब प्रेषण संस्थाओं की मदद ली जा रही है। हाल ही में अहमदाबाद के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइनिंग की टीम ने नेतानार पहुंचकर सिलाई, इमली प्रसंकरण और पारंपरिक ढंकी के कार्यों का जायजा लिया तथा उत्पादों की आकर्षक पैकेजिंग और ब्रांडिंग पर चर्चा की। इससे बस्तर की ग्रामीण महिलाओं के उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय बाजार तक पहुंचने का अवसर मिलेगा।

शहीद गुंडाधुर की पावन भूमि पर सुरक्षा कैंपों से लेकर सेवा डेरा तक की यह यात्रा इस बात का प्रमाण है कि मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति, दूरदर्शी नीतियों और प्रशासनिक मुसंदी से किस प्रकार सुदूर अंचलों की तस्वीर बदली जा सकती है। यह बदलाव केवल भौतिक विकास का नहीं, बल्कि बस्तर के हर नागरिक के जीवन में खुशहाली और आत्मविश्वास का नया संवेरा है।

8वीं पुण्यतिथि श्रद्धांजलि विशेष समाज आज भी आपके सरल, सशक्त नेतृत्व को भुला नहीं याद करता है ...

नई दृष्टिबुद्धि / सारांग-बिलाईगढ़



श्री त्रिलोचन मुज्जा दास लहरे

जौनन की सबसे बड़ी विडंबना यही है कि जब हम कंधे से कंधा मिलाकर चलना सीखते हैं, तभी वह कंधा हमेशा के लिए छूट जाता है। वचनपन में पिता के पंखों के अंतर्गत भावनात्मक लेना सहज होता है, पर जवानी में उसी पिता से दिल की बात कह पाना सघने कठिन हो जाता है। पिता बिना कहें ही सब समझ जाता है। वह पुत्र की हर अन्कही इच्छा को पूरा करने का अंतिम परिणाम तक करता है। यही तो पिता का सच्चा फर्ज है, यही भारतीय किसान परिवार की परम्परा है।

बाबूजी त्रिलोचन लहरे इसी परम्परा के सच्चे वाहक थे। अभी तो मैंने अपनी जवानी ही संभाली थी, वचनपन की गलियों से निकलकर दुनिया को समझने की कोशिश ही कर रहा था। आपके जीवन के कुछ अनादृष्ट लम्हे, आपको कुछ बाने, आपको कुछ सीखें आपके भी हृदय में आसु बनकर ठहरें, जो मुझी सुखती नहीं। जब से मैंने होना सोभाभा, आपको कोस-खलिहान, घर-द्वार और सामाजिक संरक्षणों में निरंतर संलग्न रहते हुए ही पाया। आपको कभी थकते हुए नहीं देखा। सुख

मंजुल थे, पर जिम्मेदारी में सबसे बड़े। आपका नाम त्रिलोचन आपके दादा सर, पंचम दास जी ने रखा था।

वचनपन से ही आप संघर्ष की पाठशाला में उतर गए। आपकी प्रारंभिक शिक्षा गाँव के ही प्राथमिक बालक-कन्या शाला में हुई। आज केवल 6वीं कक्षा तक ही औपचारिक शिक्षा प्राप्त कर पाए, क्योंकि घर में बड़े होने के कारण मात्र 16 वर्ष की उम्र में ही परिवार की पूरी जिम्मेदारी आपके कंधों पर आ गई। आपका विवाह जाँगीगा-चौपा जिले के वर्तमान सक्ती जिले के ग्राम बेथोद के कुषण परिवार, पोरकाम बंजारे की मंझली पुत्री नौरी बाई से हुआ। विवाह के बाद तो पूरा परिवार का भार आप पर ही टिक गया। तब से लेकर अंतिम सांस तक आपने घर, परिवार और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा से निभाया।

"सामाजिक व्यक्तित्व - कोसीर की मटी का सत्ता मुद्रा" ... सामाजिक दृष्टि से कटि निर्दोश नेतृत्व हरे जी के व्यक्तित्व को देखें तो वे केवल एक किसान नहीं, एक संस्था थे। आज सरल, सहज और मिलनसार स्वभाव के धनी थे। आपकी मित्रता छोटे बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी से थी। गाँव में आप की आपका नाम एक सरल व्यक्तित्व और सत्ता कृष्ण के रूप में बड़े सम्मान से लिया जाता है। आपने सभी की जान-पूत, ऊँच-नीच में भेद नहीं किया। आपके दरवाजे पर आया हर व्यक्ति आपका अपना था। किसी के सुख-दुःख में सबसे पहले पहुँचने वाले आप ही होते थे। खेत में हरा चलाव, फसल बोना, फिर उसी फसल को लेकर सामाजिक कार्यों में सहयोग करना - वही आपकी दिनचर्या थी। आप मानते थे कि किसान केवल अन्न ही नहीं, संस्कार भी उगाते हैं।

आज जब गाँवों से सामाजिकता खतम हो रही है, रिश्तों

में दूरार आ रही हैं, ऐसे में त्रिलोचन लहरे जैसे व्यक्तित्व हमें याद दिलाते हैं कि सच्चा जीवन क्या होता है। उन्होंने कभी बड़े सपने नहीं देखे, उन्होंने तो केवल अपने परिवार और समाज को संभालने का सपना देखा और उसे लिया।

वह काला दिन ... 25 अक्टूबर 2018 का दिन हमारे परिवार और कोसीर समाज के लिए काला दिन बनकर आया है। अपनी रोजमर्रा की जिम्मेदारी निभा ही रहे थे कि अचानक आपको तबीयत बिगड़ गई। हमें रायपुर ले जाना पड़ा। 29 अक्टूबर 2018 की रात 7 बजे डॉ. भीमराव अम्बेडकर अस्पताल, रायपुर में आपने अंतिम सांस ली। 125 अक्टूबर के बाद आपने अंतिम नहीं खोली, मैं आपसे कुछ कम भी नहीं सका। मात्र 56 वर्ष की अल्पायु में आप हमसे रूठ गए।

आज 29 अक्टूबर 2026 को आपको 8वीं पुण्यतिथि है। आठ साल बीत गए, पर आपको कभी आपकी वंशी ही है। खेत आज भी आपको पुकारते हैं, घर की कहरी आज भी आपको राह देखती है, और समाज आज भी आपके जैसे सरल, सशक्त नेतृत्व को याद करता है।

आप मेरे लिए पिता ही नहीं, मेरे पहले गुरु, मेरे पहले मित्र और मेरे जीवन के सबसे बड़े प्रेरणा स्रोत थे। समाज के लिए आप एक ऐसे किसान पुत्र थे जिसने बिना डिग्री भी जीवन की सबसे बड़ी पुनर्विनिर्वादी से शिक्षा लेकर सक्ती कीसी सिखाया। बाबूजी, आपको 8वीं पुण्यतिथि पर सादर श्रद्धांजलि, शत-शत मनन। लक्ष्मी नारायण लहरे 'साहित्य वार्ता साहित्यकार - पत्रकार कोसीर, सारांगढ़, जिला - सारांगढ़-बिलाईगढ़ (छत्तीसगढ़)

में दूरार आ रही हैं, ऐसे में त्रिलोचन लहरे जैसे व्यक्तित्व हमें याद दिलाते हैं कि सच्चा जीवन क्या होता है। उन्होंने कभी बड़े सपने नहीं देखे, उन्होंने तो केवल अपने परिवार और समाज को संभालने का सपना देखा और उसे लिया।

वह काला दिन ... 25 अक्टूबर 2018 का दिन हमारे परिवार और कोसीर समाज के लिए काला दिन बनकर आया है। अपनी रोजमर्रा की जिम्मेदारी निभा ही रहे थे कि अचानक आपको तबीयत बिगड़ गई। हमें रायपुर ले जाना पड़ा। 29 अक्टूबर 2018 की रात 7 बजे डॉ. भीमराव अम्बेडकर अस्पताल, रायपुर में आपने अंतिम सांस ली। 125 अक्टूबर के बाद आपने अंतिम नहीं खोली, मैं आपसे कुछ कम भी नहीं सका। मात्र 56 वर्ष की अल्पायु में आप हमसे रूठ गए।

आज 29 अक्टूबर 2026 को आपको 8वीं पुण्यतिथि है। आठ साल बीत गए, पर आपको कभी आपकी वंशी ही है। खेत आज भी आपको पुकारते हैं, घर की कहरी आज भी आपको राह देखती है, और समाज आज भी आपके जैसे सरल, सशक्त नेतृत्व को याद करता है।

आप मेरे लिए पिता ही नहीं, मेरे पहले गुरु, मेरे पहले मित्र और मेरे जीवन के सबसे बड़े प्रेरणा स्रोत थे। समाज के लिए आप एक ऐसे किसान पुत्र थे जिसने बिना डिग्री भी जीवन की सबसे बड़ी पुनर्विनिर्वादी से शिक्षा लेकर सक्ती कीसी सिखाया। बाबूजी, आपको 8वीं पुण्यतिथि पर सादर श्रद्धांजलि, शत-शत मनन। लक्ष्मी नारायण लहरे 'साहित्य वार्ता साहित्यकार - पत्रकार कोसीर, सारांगढ़, जिला - सारांगढ़-बिलाईगढ़ (छत्तीसगढ़)

सू- दोकू क्र.201

	6	3			1		4
8			3		4		7
				5			
3					1		4
	1			4		9	
					2		1
1				3		4	
	8		9			2	
				1		2	5

नियम	सू-दोकू क्र.200 का हल
1. कुल 81 वर्ग हैं, जिसमें 9 वर्गों का एक खंड बनाता है।	6 7 9 2 4 5 3 1 8
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।	2 1 8 3 7 6 9 5 4
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम, कतार और खंड में 1 से 9 तक के सभी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।	7 6 4 5 2 8 1 3 9
	3 8 1 6 9 7 2 4 5
	9 2 5 4 1 3 8 6 7
	8 3 7 9 6 4 5 2 1
	5 4 2 8 3 1 7 9 6
	1 9 6 7 5 2 4 8 3
	4 5 3 1 8 9 6 7 2

वर्षगांठ कार्यक्रम : लोककला, विचार-विमर्श और सम्मान का दिखा समारोह में संगम

"रायपुर में प्रदेश की 100 प्रतिभाओं को मिला "छत्तीसगढ़ गौरव अवार्ड 2026", वरिष्ठ पत्रकार लक्ष्मीनारायण लहरे , सामाजिक कार्यकर्ता हीरादेवी निराला,पत्रकार युगल किशोर तिवारी हुए सम्मानित "

नई दृष्टिविंदू / रायपुर

सकायिक पत्रकारिता के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहे दैनिक समाचार पत्र दैनिक दबंग स्वर की छठवीं वर्षगांठ राजधानी रायपुर के वृंदान सभागृह में भव्य एवं गरिमायुक्त समारोह के रूप में मनाई गई। सामाजिक एवं साहित्यिक संस्था चक्रावत के संयुक्त आयोजन में लोककला, बौद्धिक विमर्श और सम्मान का अनुसंधान समारोह को मिला। इस अवसर पर प्रदेश के विभिन्न जिलों से चयनित 100 प्रतिभाओं को उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए छत्तीसगढ़ गौरव अवार्ड 2026 से सम्मानित किया गया। इसमें सारंगढ़ से वरिष्ठ पत्रकार, साहित्यकार लक्ष्मीनारायण लहरे , रायपुर से वरिष्ठ पत्रकार युगल किशोर तिवारी , सारंगढ़ से सामाजिक कार्यकर्ता श्रीमती हिरा देवी निराला, सरिता गोयल रायपुर , सारंगढ़ भैरव नाथ जाटवर, प्रांजल निराला, देवेश बनज कार्यक्रम में शामिल हुए उन्हें उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए छत्तीसगढ़ गौरव अवार्ड से सम्मानित किया गया।

समारोह के मुख्य अतिथि अंतरराष्ट्रीय स्थापित कवि विशेषज्ञ डॉ. राजाराम विप्राठी थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ पत्रकार एवं प्रेस क्लब के पूर्व अध्यक्ष अनिल सुन्दरकर ने की। विशिष्ट अतिथियों में भूजल वैज्ञानिक डॉ. विपिन

दुबे, वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. माणिक विश्वकर्मा नवरंग, युवा संस्था के संस्थापक एम. राजीव एवं वरिष्ठ पत्रकार राजकुमार धर शामिल रहे।

मुख्य अतिथि डॉ. राजाराम विप्राठी ने अपने संबोधन में कहा कि सम्मान बेहतर कार्य करने की प्रेरणा देता है। अच्छे कार्यों के लिए किसी को पीठ थपथपाता भी एक सामाजिक दायित्व है। उन्होंने दैनिक दबंग स्वर और वका मंच के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि प्रतिभाओं को निष्पक्ष रूप से पहचानकर मंच प्रदान करना समाज के लिए महत्वपूर्ण पहल है।

दैनिक दबंग स्वर के प्रधान संपादक डॉ. पंडित पी.के. तिवारी ने स्वागत भाषण में समाचार पत्र की छह वर्षों की यात्रा का उल्लेख करते हुए कहा कि सकारात्मक खबरों, नई सोच और निरासरोकारों के साथ अखबार को पाठकों का निरंतर रूनेह एवं सहयोग मिल रहा है। उन्होंने स्वस्थ, निर्भीक और जनहितकारी पत्रकारिता के संकल्प को आगे बढ़ाने की प्रतिक्रिया व्यक्त की।

समारोह में छत्तीसगढ़ की लोकसंस्कृति और कला की विविध प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। भरथरी गायन, ओडिसी नृत्य, लोकगीत, छत्तीसगढ़ी कविता, लोकनाट्य और संगीतमय युवा प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम को विशेष पंचांग दी। इसके साथ ही भूजल संरक्षण, रक्तदान, वन संरक्षण



और सामाजिक सरोकारों से जुड़े विषयों पर वक्ताओं ने विचार रखे तथा प्रकृति और मानवता के संरक्षण का संदेश दिया।

वरिष्ठ साहित्यकार ,पत्रकार लक्ष्मीनारायण लहरे सारंगढ़ अंचल में पिछले 26 - 27 वर्षों से सक्रिय पत्रकारिता के साथ साथ साहित्य सृजन में अपना योगदान दे रहे हैं वे विशेष रूप से समाज में कृतिवर्तियों को लेकर अपनी पत्रकारिता और साहित्य में लेखन करते हैं सारंगढ़ अंचल और ग्रामीण अंचल के प्रहरी के रूप में वे लगातार पत्रकारिता कर रहे हैं वे कई संघों से सम्मानित हैं लहरे उनकी पत्रकारिता और साहित्य सृजन के लिए छत्तीसगढ़ गौरव अवार्ड से सम्मानित किए गए। लक्ष्मीनारायण लहरे रायपुर छत्तीसगढ़ महिमा हिंदी मासिक पत्रिका के सह संपादक है पीछे 10 वर्षों से वे हिंदी

संश्लिष्टकरण के उदाहरण हैं वे कई बड़े मंचों से भी सम्मानित हुए हैं। रायपुर में पिछले 10 वर्षों से सक्रिय पत्रकारिता के लिए वरिष्ठ पत्रकार युगल किशोर तिवारी को जाना जाता है।

जब लाखों में आपका चयन हो, तो जिम्मेदारी और बड़ जाती है सैकड़ों लोगों के बीच आपके कामों की सराहना हो और सम्मानित किया जाए, तो काम करने का उदाहरण और जुनून पैदा हो जाता है। 125 वर्षों से पत्रकारिता के क्षेत्र में निरंतर बेहतर काम, खोजी खबरों से लेकर राजनीति, क्राइम और जनहित के मुद्दों को अलग-अलग बैनर में तत्पराता के साथ उठाने वाले, समाज के सृजन कलमकार युगलकिशोर तिवारी को एक बार फिर छत्तीसगढ़ गौरव अवार्ड से सम्मानित किया गया है। युगल तिवारी प्रदेश पत्रकारिता, कला, खेल के क्षेत्र में ऐसा नाम हैं, जिन्हें 1992 से लेकर 2026 तक लगातार अलग-अलग मंचों पर सम्मान मिला है। इस बार यह सम्मान वक्ता मंच और दैनिक दबंग स्वर के बैनर तले दिया गया। यह सम्मान समारोह वक्ता मंच के राजेश पारते, दबंग स्वर के संपादक डॉ. पी.के. तिवारी, वरिष्ठ पत्रकार अनिल पुरसदकर विशिष्ट अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ। यह सम्मान सिर्फ पत्रकारिता ही नहीं, बल्कि राज्य की अलग-अलग विधाओं में उत्कृष्ट

कार्य करने वालों को दिया गया है। इसी क्रम में सारंगढ़ से समाज सेवा के लिए भैरव नाथ जाटवर शिक्षा के क्षेत्र में प्रांजल निराला , देवेश बनज का भी छत्तीसगढ़ गौरव अवार्ड से सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण प्रदेशभर से चयनित 100 प्रतिभाओं का सम्मान रहा। रायपुर, बिलासपुर, रायपुर, दुर्ग, भिलाई, बस्तर, जांजगीर, महासमूह, राजनांदगांव, सारंगढ़ सहित विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिभागीयों को छत्तीसगढ़ महती के आकर्षक स्मृति-चित्र एवं सम्मान-पत्र प्रदान किया गए। चयन में शामिल एवं दूरस्थ क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाली प्रतिभाओं को भी प्रथमिकता दी गई।

कार्यक्रम का प्रभावी संचालन वक्ता मंच के अध्यक्ष राजेश पारते ने किया। वक्ता मंच के संयोजक शुभम साहू ने आभार व्यक्त किया। आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाए हुए आयोजन समितिक के सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

दैनिक दबंग स्वर की छठवीं वर्षगांठ का यह आयोजन सकारात्मक पत्रकारिता, लोकसंस्कृति और समाजसेवा के प्रति समर्पण का प्रेरणादायी उदाहरण बना।

खास खबर

1193 करोड़ की ग्लोबल निविदा पर बवाल, 500 छत्तीसगढ़ियां ठेकेदारों के रोजगार पर संकट



नई दृष्टिविंदू / रायपुर

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी (CSPDCL) की 1193.46 करोड़ की ग्लोबल निविदा पर विवाद खड़ा हो गया है। छत्तीसगढ़ पावर कंपनी वाहन मालिक कल्याण संघ ने निविदा क्रमांक 18/1867 (6 अक्टूबर 2026) को निरस्त करने की मांग की है। संघ का आरोप है कि 400 गाड़ियों के संचालन और लगातार 360 करोड़ टर्नओवर की शर्त से प्रदेश के 500 से अधिक स्थानीय ठेकेदार प्रतिस्पर्धा से बाहर हो जाएंगे। संघ के प्रतिनिधियों ने डेवगोनिया रिथन CSPDCL के प्रधान निदेशक से इलाक़ा करार आपत्ति जताई। संघ ने कहा कि यह शर्त केवल कुछ बड़ी बाहरी कंपनियों को फायदा पहुंचाएगी, जबकि वर्यों से विभागीय सेवा दे रहे स्थानीय वाहन मालिक बेरोजगार हो जाएंगे।

संघ ने बताया कि स्थानीय ठेकेदारों ने बैंक से लोन लेकर गाड़ियां खरीदी हैं। इस महंगे किस्म, बीमा, मेंटेनेंस और ड्राइवरों का वेतन देना पड़ता है। काम नहीं मिला तो परिवारों के सामने घर-पोषण का संकट खड़ा हो जाएगा। संघ ने चेतावनी दी है कि मांग नहीं मानी गई तो ऑटोलोन होगा। पहले घरघ में एक दिवसीय वाहन एवं TMC/IOCC कार्ययें बढ़, दूसरे घरघ में अनिश्चितकालीन बंद किया जाएगा। संघ इस मामले को मुख्यमंत्री के सामने भी उठाएगा।

गोवर्धन पूजा पर सार्वजनिक अवकाश घोषित करने पर सर्व समाज संगठन ने जताया आभार

नई दृष्टिविंदू / दुर्ग

छत्तीसगढ़ शासन द्वारा गोवर्धन पूजा के अवसर पर सार्वजनिक अवकाश घोषित किए जाने के निर्णय का छत्तीसगढ़ सर्व समाज संगठन (अधिकारी-कर्मचारी प्रकोष्ठ) ने स्वागत किया है। संगठन के प्रांताध्यक्ष भानु प्रातु यादव ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और राज्य सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया है।

भानु प्रातु यादव ने कहा कि राज्य सरकार का यह निर्णय छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक परंपराओं, धार्मिक आस्था और जनभावनाओं का सम्मान है। गोवर्धन पूजा छत्तीसगढ़ सहित देश में श्रद्धा, प्रकृति के प्रति कुतूहल, गौरव संरक्षण और सामाजिक समरसता के प्रतीक के रूप में मनाया जाता है। इस दिन पर अथवा घोषित होने से जागीरों, कर्मचारियों, किसानों और पशुपालकों को अपनी कर्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं का निर्वहन करने का अवसर मिलेगा।

उन्होंने कहा कि गोवर्धन पूजा पर अवकाश की मांग को लेकर संगठन लंबे समय से शासन का ध्यान आकृष्ट कर रहा था। शासन द्वारा सकारात्मक निर्णय लिया जाना जनभावनाओं के सम्मान का परिचायक है। इससे अधिकारी-कर्मचारी वर्ग को परिवार के साथ त्याहार मानने और सामाजिक दायित्वों का निर्वहन करने का अवसर मिलेगा। अंत में उन्होंने प्रदेशवासियों को गोवर्धन पूजा की शुभकामनाएं देते हुए इसे आपसी प्रेम, भाईचारे और गैरसेवा की भावना के साथ मनाने की अपील की।

शुभारंभ

नवीन भवनों के प्रारंभ होने से पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को बेहतर आकरस्थल उपलब्ध होगा

पुलिस महानिदेशक ने किया नवीन पुलिस भवनों व ई-मालखानों का लोकार्पण

नई दृष्टिविंदू / बिलासपुर

छत्तीसगढ़ के पुलिस महानिदेशक अरुण देव गौतम ने पुलिस अधीक्षक को सुदृढ़ करने और कार्यक्षमता को अधिक व्यवस्थित, परदर्शी व आधुनिक बनाने की दिशा में नवीन पुलिस भवनों एवं ई-मालखानों का लोकार्पण किया। यह लोकप्रिय रतनपुर धाना निरीक्षण के दौरान किया गया।

डीओपी द्वारा जवन नवीन भवनों एवं सुविधाओं का लोकार्पण किया गया, उममें-सिखिल लाइन स्थित सीएसपी कार्यालय का नवीन भवन, पंचेडों में नवीन धाना भवन व ई-मालखाना धाना रतनपुर में नवीन ई-मालखाना शामिल है। इन नवीन भवनों के प्रारंभ होने से पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बेहतर कार्यस्थल उपलब्ध होगा तथा आग नागरिकों को बेहतर पुलिस सेवाएं मिलेंगी। वहीं ई-मालखाना सुविधा से

जन्म-मृत्यु पंजीयन व्यवस्था की कलेक्टर तनुजा सलाम ने की समीक्षा

समय-सीमा में पंजीयन सुनिश्चित करने के लिए निर्देश



नई दृष्टिविंदू / मोहला

कलेक्टर श्रीमती तनुजा सलाम की अध्यक्षता में जिला कार्यालय के सभाकक्ष में जिला स्तरीय अंतरविभागीय समन्वय समिति की जन्म-मृत्यु पंजीयन संबंधी बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के शासकीय एवं निजी चिकित्सालयों में होने वाली जन्म एवं मृत्यु की घटनाओं के समय-सीमा में पंजीयन, संबंधित अभिलेखों के संचयन तथा पंजीयन प्रक्रिया की प्रगति की समीक्षा की गई। इस दौरान कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

बैठक में निजी चिकित्सालयों द्वारा निर्धारित अवधि में जन्म एवं मृत्यु की सूचना संबंधित पंजीयन इकाई को उपलब्ध कराने की नियमित समीक्षा करने के निर्देश दिए गए। अस्पतालों में मृत्यु के कारणों के चिकित्सा प्रमाणिकरण तथा संबंधित प्रयोगों का निम्नानुसार धारणा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्रों का यथार्थतः उपलब्ध करने के निर्देश भी दिए, ताकि परिवर्तनों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। कलेक्टर ने जिले की प्रत्येक पंजीयन इकाई के अंतर्गत संचालित सभी निजी चिकित्सालयों की अद्यतन सूची संपादित करने तथा उनकी नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। जन्म-मृत्यु पंजीयन अभिलेखों का समुचित रखरखाव करने और पुराने अभिलेखों के डिजिटलीकरण की प्रगति की समीक्षा की।

बैठक में पंजीयन, यूजर आईडी एवं पासवर्ड के दुरुपयोग तथा नेकली प्रमाण पत्रों की रोकथाम के लिए आवश्यक सुरक्षा उपायों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त आमजन में जन्म-मृत्यु पंजीयन के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार गतिविधियां संचालित करने पर जोर दिया गया,

नई दृष्टिविंदू / मोहला

मोहला। दल्लौ राजहारा में 23, 24 एवं 25 अक्टूबर को आयोजित राज्य स्तरीय पावरलिफ्टिंग प्रतियोगिता में मोहला के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर जिले का नाम रोशन किया। प्रतियोगिता में विभिन्न जिलों के लगभग 200 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए मोहला की टीम को बेस्ट टीम का अवार्ड प्रदान किया गया। इस उपलब्धि से जिले में खेल प्रतिभाओं को नई पहचान मिली है। प्रतियोगिता में मोहला के छह खिलाड़ियों ने भाग लिया, जिसमें अजय यादव ने 83 किलोग्राम भार वर्ग, हिरेंद्र साहू ने 66 किलोग्राम भार वर्ग, दिव्याश शाह ने 59 किलोग्राम भार वर्ग तथा यामिनी कोरेटी ने 66 किलोग्राम भार वर्ग में रण पदक जीतकर शानदार प्रदर्शन किया। वहीं सदीप मांडी ने 53 किलोग्राम भार वर्ग में रतन पदक तथा रोशन उरसंडी ने 66 किलोग्राम भार वर्ग में कांस्य पदक हासिल किया। प्रतियोगिता में रायपुर, भिलाई, रायपुर, अंबागढ़ चौकी, मोहला, बस्तर, नारायणपुर, खैरगढ़, जयपुर, अंबिकापुर, बालोद, धमतरी, मुंगेली एवं बेमतर सहित विभिन्न क्षेत्रों के खिलाड़ियों ने भाग लिया। मोहला की टीम के मैनेजर नागेश पुरावे हैं।

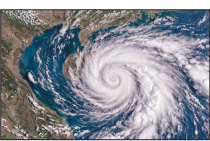
प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों ने आज जिला कार्यालय में कलेक्टर श्रीमती तनुजा सलाम से मुलाकात की। कलेक्टर ने सभी खिलाड़ियों को उनकी उपलब्धि पर बधाई देते हुए उपलब्धि भविष्य की शुभकामनाएं दी। उन्होंने खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सरहना करते हुए भविष्य में भी इसी तरह मेहनत, लगन और खेल भावना के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया।

ताकि जिले में पंजीयन व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, व्यवस्थित एवं प्रभावी बनाया जा सके।

चक्रवाती तूफान का अलर्ट, किसानों को धान की कटाई रोकने और खेतों में रखी फसलें करने की दी सलाह

नई दृष्टिविंदू / रायपुर

लेकर देश के पांच राज्यों में अलर्ट जारी किया गया है। छत्तीसगढ़ में खासकर बस्तर में भारी से अतिभारी बारिश हो सकती है। इसके अतिरिक्त राज्यभर में बादल छाएंगे और बस्तर, रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर संगमण के जिलों में बारिश होगी। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के विशेषज्ञों ने किसानों को सावधानी बरतने की सलाह दी है। वैज्ञानिकों के अनुसार अभी जल्दी पकने वाले धान की कटाई चल रही है। मौसम में बदलाव को देखते हुए कटाई रोकने को कहा गया है। मध्यम और दूर से पकने वाले धान को कटाई न करें।



के लिए हल्की बारिश फायदेमंद हो सकती है, लेकिन तेज बारिश से बारिश गिरने का खतरा है। बेमौसम बारिश और बादलों से दहन-दिलहन पर कटौत का प्रकोप और सख्तियों के सड़ने का जोखिम बढ़ सकता है।

कृषि मंत्री और आयुक्त ने दिए अलर्ट देने के निर्देश

चक्रवाती तूफान की देखरेख हुए कृषि मंत्री रामविश्व नेतार और कृषि उपज वितरण आयुक्त सिद्धार्थ कोसल सिंह परशुरी ने विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों और मैदानी अमले को अलर्ट रहने के निर्देश दिए हैं। विशेषज्ञों ने सलाह दी है कि मैसम को देखते हुए रूत बुवाई का कार्य विलंब के पहले सप्ताह से शुरू किया जाए। तेज हवा को रोकते हुए कटौत, लौकी, केले के पौधों और फसलदार पौधों को सहारा दी। सख्तियों के खेतों में जल निकासी

की व्यवस्था रखें और बारिश के दौरान कीटनाशकों के छिड़काव से बचें।

कहां केसी रहेगी बारिश

28 अक्टूबर को बस्तर और उससे लगे रायपुर-दुर्ग संगमण में भारी से अति भारी बारिश हो सकती है। 29 अक्टूबर को अधिकतर स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश या गरज-चमक के साथ छिट्टे पड़ सकने हैं, इस्का असर बिलासपुर संगमण में भी होगा। ईद दौरान हवा की गति 20 से 30 किमी प्रति घंटा रह सकती है। 30 अक्टूबर को भी कुछ स्थानों पर हल्का असर रहेगा।

20 किमी दायरे में रहने वालों को ऑनलाइन मिलेगा 360 रुपए में मासिक टोल पास

नई दृष्टिविंदू / रायपुर

टोल प्लाजा के 20 किलोमीटर दायरे में रहने वाले वाहन चालक अब घर बैठे 360 रुपए में मासिक टोल पास बनावा सकेंगे। एनएचआई ने राजमार्ग यात्रा ऐप पर ऑनलाइन आवेदन की सुविधा शुरू की है। इससे टोल प्लाजा जाकर फर्में भरने और दस्तावेज जमा करने का झंझट खत्म होगा। एनएचआई ने रायगढ़-बिलासपुर मार्ग स्थित जेटा टोल प्लाजा पर ट्रायल किया था। सफल परीक्षण के बाद इसे प्रदेश के 20 टोल प्लाजा पर लागू किया गया है। पास का मूल्य पहले की तरह 360 रुपए ही रहेगा। नई व्यवस्था में मोबाइल सिंह, एसडीओ कोटा नुपुर उपाध्यक्ष सहित बाना स्टॉप और पत्रकारण उपस्थित रहे।

कारोंबार के टोल पार करने वालों को राहत मिलेगी। ऐप पर ही पात्रता और नियमों की जानकारी भी मिलेगी। दिव्यांगों के मुफ्त फास्टेड पास की वधाता 3 अक्षरों: अधिकारियों के अनुसर 40 से 70 प्रतिशत दिव्यांगता वालों को पहले एक साल के लिए मुफ्त फास्टेड मिलता था, अब वैधाना बड़ाकर तीन साल कर दी गई है। 70 से 100 प्रतिशत दिव्यांगता वालों के लिए भी मुफ्त पास का प्रावधान है। जस्टी दत्तात्रेय: आधर कार्ड, वाहन की आरसी, फास्टेड और मासिक नंबर। केबीके अरोवेदन: राजमार्ग यात्रा ऐप खोलकर टोल प्लाजा चुनें, वाहन और पते की जानकारी भरें, दस्तावेज अपलोड करें और भुगतान कर पास प्राप्त करें।

पुलिस कंपनी से हो रही राम गोपाल वर्मा की वापसी

अपनी नई क्राइम थ्रिलर फिल्म पुलिस कंपनी के साथ फिल्म निर्देशक राम गोपाल वर्मा बड़े पद पर वापसी कर रहे हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर निर्देशक ने एक विस्तृत नोट साझा करते हुए अपनी आगामी फिल्म के शीर्षक और उसकी बहुचर्चित रिलीज डेट का खुलासा किया। यह फिल्म अगले साल 4 जून को सिनेमाघरों में दस्तक देगी, जिससे उनके प्रशंसकों और फिल्म प्रेमियों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। फिल्म में प्रतिभाशाली अभिनेता हर्षवर्धन राणे मुंबई के मराहुर एनकाउंटर स्पेशलिस्ट दया नायक की चुनौतीपूर्ण भूमिका में नजर आएंगे, जो कहानी का एक महत्वपूर्ण हिस्सा होंगे। फिल्म के अगुए शीर्षक पुलिस कंपनी को लेकर राम गोपाल वर्मा ने अपनी चिर-परिचित शैली में गहराई से समझाया। उन्होंने कहा, पुलिस एक संस्था है और कंपनी एक पैसा कमाने वाला संगठन है, लेकिन जब इसकी शक्तियां हद से ज्यादा बढ़ जाती हैं, तो एक संस्था कंपनी बन जाती है। इसलिए इसका नाम पुलिस कंपनी है। यह व्याख्या फिल्म के गहरे और यथार्थवादी कथानक की ओर इशारा करती है, जहां कानून प्रवर्तन के अंदरूनी कामकाज और शक्ति के दुरुपयोग को खगला जाएगा। टी-सीरीज और आरजीवी कंपनी के संयुक्त प्रोडक्शन तले भूषण कुमार और कृष्ण कुमार द्वारा निर्मित यह फिल्म, मुंबई के अंडरवर्ल्ड के सबसे हिंसक दौर (1997 से 2004) की सच्ची घटनाओं से प्रेरित है। यह फिल्म उस विशेष एनकाउंटर स्काड की कहानी को उजागर करेगी, जिसने इस अवधि के दौरान लगभग 300 गैंगस्टर्स को समाया किया था। पुलिस कंपनी केवल अपराध की दुनिया ही नहीं, बल्कि पुलिस की दुनिया के दूसरे पहलू को भी सामने लाएगी, जिसे वर्मा एक कंपनी के दूसरे रूप के तौर पर देखते हैं, जहां नैतिकता और भ्रष्टाचार के बीच की महीन रेखा धुंधली पड़ जाती है। फिल्म में हर्षवर्धन राणे के साथ फरदीन खान, फातिमा सनी शेख, परेश रावल, सोनम शक्ता, मकरंद देशपांडे और अश्विनी कालसेकर जैसे दिग्गज कलाकार मुख्य भूमिकाओं में दिखाई देंगे, जो कहानी में कई परतें जोड़ेंगे। यह माना जा रहा है कि यह फिल्म राम गोपाल वर्मा को उनकी पिछली सफल अंडरवर्ल्ड जैनर की फिल्मों जैसे कंपनी और सत्या की शैली में वापस लाएगी, जिसके लिए वे विशेष रूप से जाने जाते हैं।

कनिका ने बयां किया दर्द



अभिनेत्री कनिका मान इन दिनों बिग बॉस-20 में नजर आ रही हैं। शो के एक एपिसोड में आसिफ खान से बातचीत के दौरान उन्होंने बताया कि कैसे उनके परिवार वाले उनकी कीमत को मां बनने से जोड़ रहे हैं। अभिनेत्री ने मजेदार अंजन में बताया कि उनके परिवार वाले उन्हें तब तक जीरो ही समझते हैं, जब तक वो दो-तीन बच्चे नहीं पढ़ कर देती। परिवार की इस सोच पर उन्होंने हंसाते हुए कहा, मेरे घर वाले मुझे जीरो मिनते हैं, जब तक मैं उन्हें दो-तीन बच्चे नहीं दे दूंगी, तब तक मैं जीरो ही हूँ। अभिनेत्री की इस बात पर रिएक्ट करते हुए कटरेट्टे और अभिनेता आसिफ ने बताया कि उनकी मां भी अक्सर बच्चे की खालिहा जाहिर करती रहती हैं। उन्होंने बताया कि पहले तो उनकी मां सीने-सीधे अपनी इच्छा जताती थी लेकिन अब मजेदार तरीके से इशारों में अपनी बात कहती हैं। आसिफ ने कहा कि उनकी मां अक्सर उनकी प्रोफेशनल उपलब्धियों को नजरअंदाज कर देती हैं और सिर्फ इसी बात पर ध्यान देती हैं कि वो कब पिता बनने।

सोशल मीडिया पर साझा की। इन तस्वीरों के सामने आने के बाद अटकलें लगने लगी कि फिल्म के कुछ दृश्यों में मोहनलाल की जगह उनके बॉडी डबल का इस्तेमाल किया गया है। उनके दो दर्शकों ने तो यह दावा भी कर दिया कि जॉनी ने मोहनलाल के कई दृश्यों, यहां तक कि फिल्म के क्लाइमैक्स के महत्वपूर्ण दृश्यों को भी अंजाम दिया है, जिससे सोशल मीडिया पर बहुत छिड़ गई। इस विवाद के तूल पकड़ने पर, जॉनी कोझकारा ने यूट्यूब चैनल जगो स्पेस को दिए एक विस्तृत इंटरव्यू में अपनी बात रखी। उन्होंने स्पष्ट किया कि जेलर 2 में उनका रोल केवल सीमित था और

फिल्म में उनके केवल एक या दो शॉट्स का ही इस्तेमाल किया गया है। जॉनी ने बताया, सच कहूँ तो सिर्फ मेरे हाथ और पैर ही फिल्म में दिख रहे हैं। उन्होंने आगे खुलासा किया कि उनके ये शॉट्स क्लाइमैक्स के दौरान एयरपोर्ट के एक सीन में देखने को मिलते हैं, जहाँ वे गाड़ी चलाते हुए गियर बदल रहे हैं और एक्सीलरेटर दबा रहे हैं। जॉनी ने यह भी कहा कि उन्हें लगता है कि शूटिंग शेड्यूल या समय की कमी के कारण उन्हें इस छोट्टे से काम के लिए लिया गया होगा, न कि किसी बड़े दृश्य के लिए। उन्होंने मोहनलाल को दुनिया के बेहतरीन

अभिनेताओं में से एक बताते हुए उन सभी दावों को सिर से खारिज कर दिया कि उन्होंने क्लाइमैक्स के बड़े दृश्यों में अभिनय किया या फिल्म में उनका चेहरा दिखाया गया। जॉनी की इस सफाई से मोहनलाल के फैमियो को लेकर फैला भ्रम काफी हद तक दूर हो गया है और यह स्पष्ट हो गया है कि फिल्म में मोहनलाल की उपस्थिति उनकी असली पहचान के साथ ही थी। मालूम हो कि फिल्म में रजनीकांत के अलावा मिथुन चक्रवर्ती और विद्या बालन भी मुख्य भूमिकाओं में हैं, वहीं रूतिका रोशन और मोहनलाल जैसे दिग्गजों के फैमियो ने दर्शकों को खूब तृप्ता किया है।



ऐश्वर्या ने टाइप-1 डायबिटीज को बताया अपनी जिंदगी का हिस्सा

पिछले दस सालों से टीवी अभिनेत्री ऐश्वर्या सखुजा ने टाइप-1 डायबिटीज के साथ अपने सफर को साझा किया है। कई लोकप्रिय टीवी शो में अपनी अदाकारी से दर्शकों का दिल जीतने वाली ऐश्वर्या ने बताया कि यह सफर इसूलिन लेने, शरीर को समझने और जीवनशैली में लगातार बदलाव करने का रहा है। उन्होंने इस बीमारी को अपनी जिंदगी का एक हिस्सा बताया, लेकिन पूरी पहचान मानने से इनकार किया है, जिससे लाखों लोगों को प्रेरणा मिली है। सारा बिना ससुराल, मैं ना भूलूंगी, त्रिदेविया और रिश्ता डॉट कॉम जैसे टीवी शो में अभिनय करने वाली ऐश्वर्या ने बताया कि शुरुआत में उन्हें अपनी बीमारी का गलत पता चला था। जब तक उन्हें समझ आया कि उनके शरीर के साथ क्या हो रहा है, तब तक उन्हें अंदाजा भी नहीं था कि उनकी जिंदगी इस तरह बदलने वाली है और उन्हें हर दिन इसके साथ तालमेल बिठाना पड़ेगा। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा कर अपने अनुभव बताए। उन्होंने लिखा, दस साल से इसूलिन ले रही हूँ। दस साल से अपनी बॉडी को समझ रही हूँ। इस दौरान कई उतार-चढ़ाव आए, बहुत कुछ सीखा, कई बार निराशा

हुई और धीरे-धीरे चीजों को समझना पड़ा। ऐश्वर्या ने जोर देकर कहा कि इन दस सालों में उन्होंने अपना ख्याल रखने की पूरी कोशिश की है, यहाँ तक कि उन दिनों में भी जब खुद की देखभाल करना किसी फुल-टाइम जॉब जैसा लगता है। उन्होंने व्यायाम को अपने जीवन का हिस्सा बनाया और अपने खान-पान पर भी विशेष ध्यान दिया। उन्होंने सीखा है कि अपना ख्याल रखने का मतलब परफेक्ट होना नहीं है, बल्कि इसका मतलब है बार-बार कोशिश करते रहना। इस सफर में उन्हें अपने शरीर के प्रति थोड़ा और नरम होना भी सीखना पड़ा है, खासकर उस शरीर के प्रति जिसे इसूलिन की निरंतर आवश्यकता होती है। अभिनेत्री ने अपनी पोस्ट में स्पष्ट किया कि वह डायबिटीज को किसी खूबसूरत चीज के रूप में पेश नहीं करेंगी। उन्होंने लिखा, यह थका देने वाला, कई बार नाइसाफी जैसी लगने वाली और बहुत मेहनत मांगने वाली बीमारी हो सकती है। लेकिन उन्होंने यह भी जोड़ा कि यह मेरी जिंदगी का एक हिस्सा है, लेकिन मेरी पूरी पहचान नहीं। अपनी पोस्ट के आखिर में, ऐश्वर्या ने टाइप-1 डायबिटीज के साथ जी रहे अन्य लोगों को भी हिम्मत दी।



अक्षय और प्रियदर्शन की फिल्म की शूटिंग नवंबर में होगी शुरू

सुपरस्टार अक्षय कुमार और निर्देशक प्रियदर्शन की जोड़ी अपनी अगली कॉमेडी फिल्म के लिए हाथ मिलाते जा रहे हैं। इस फिल्म की शूटिंग नवंबर के आखिरी हफ्ते में शुरू होने की उम्मीद जताई जा रही है। खास बात यह है कि यह प्रियदर्शन के निर्देशन में बनने वाली 99वीं फिल्म होगी, जो उनके शानदार करियर में एक और मील का पत्थर साबित होगी। यह फिल्म 1970 के दशक की पुनर्भूमि पर आधारित होगी, जिसमें अक्षय कुमार एक अनोखे और अतरंगी किरदार में नजर आएंगे। रिपोर्ट के मुताबिक, अक्षय कुमार और प्रियदर्शन की यह अभी तक अनटाइटल फिल्म कॉमेडी से भरपूर होगी। इसमें अक्षय कुमार एक अतरंगी टाइगर हंटर के रोल में दिखेंगे, जो उनके प्रशंसकों के लिए एक नया और दिलचस्प अनुभव होगा। सोर्स ने बताया कि रमेश तौरानी के प्रोडक्शन में बन रही इस फिल्म की शूटिंग इस साल नवंबर के आखिरी हफ्ते में शुरू होने की पूरी तैयारी है। यह खबर उन दर्शकों के लिए किसी खुशखबरी से कम नहीं है, जो लंबे समय से इस जोड़ी को बड़े पर्दे पर एक साथ देखने का इंतजार कर रहे थे। फिल्म की शूटिंग का शेड्यूल करीब तीन महीने का तय किया गया है, जिसके लिए मेकर्स ने राजस्थान के खूबसूरत वाइल्डलाइफ इलाकों को चुना है। इसके अलावा, मुंबई में भी विशाल सेट बनाकर शूटिंग की जाएगी और भोपाल की आकर्षक लोकेशंस पर भी कुछ महत्वपूर्ण दृश्यों को फिल्माया जाएगा। कॉमेडी के इस तगड़े झेज को और ज्यादा मजेदार बनाने के लिए फिल्म में अनु कपूर और राजपाल यादव जैसे दिग्गज सितारों की एंटी हो चुकी है, जिनकी कॉमेडि टाइमिंग दर्शकों को खूब गंदागंदागी। हालांकि, फिल्म के मेकर्स फिलहाल लीड एक्टर्स की तलाश कर रहे हैं, जो जल्द ही पूरी होने की उम्मीद है। इस फिल्म की कहानी प्रियदर्शन और रोहन शंकर ने मिलकर लिखी है, जो इससे पहले अक्षय कुमार की भूत बंगला के लिए भी साथ काम कर चुके हैं। इस बारे में निर्देशक प्रियदर्शन से संपर्क किया, तो उन्होंने फिलहाल ज्यादा जानकारी देने से बचते हुए कहा कि प्रोजेक्ट को पूरी तरह लॉक हो जाने दीजिए, फिर मैं इस पर विस्तार से बात करूंगा। अक्षय कुमार और प्रियदर्शन की यह जोड़ी शानदार कॉमेडी फिल्मों के लिए जानी जाती है, जिन्होंने भारतीय सिनेमा को कई कल्ट क्लासिक्स दिए हैं।

रामायण का हॉलीवुड में वर्ल्ड प्रीमियर



भारतीय सिनेमा के लिए एक खास उपलब्धि के तौर पर नमित मल्होत्रा की फिल्म 'रामायण-राइज ऑफ अ लीजेंड' का वर्ल्ड प्रीमियर लॉस एंजलिस के प्रतिष्ठित एफएमटी म्यूजियम ऑफ मोशन पिक्चर्स में आयोजित किया जाएगा। निर्माताओं के मुताबिक, यह खास कार्यक्रम 27 अक्टूबर को डेविड गेफेन थिएटर में होगा, जिसमें करीब 945 मेहमान शामिल होंगे। भारतीय संस्कृति और दिवाली की भावना को अंतरराष्ट्रीय मंच पर पेश करने की तैयारी के बीच यह आयोजन फिल्म को लेकर उत्सुकता बढ़ा रहा है। फिल्म का निर्देशन नितेश तिवारी ने किया है और इसे बड़े स्तर पर तैयार किया जा रहा है। 'रामायण-राज ऑफ अ लीजेंड' का प्रीमियर सिर्फ फिल्म की स्क्रीनिंग तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसके जरिए भारतीय परंपरा और सांस्कृतिक विरासत को भी सामने लाने की योजना है। आयोजकों ने मेहमानों से धारपरिक भारतीय उत्सवी परिधान पहनकर आने का अनुरोध किया है, ताकि दिवाली के रंग और रोमांच अंतरराष्ट्रीय मंच पर दिखाई दे सकें। कार्यक्रम में हॉलीवुड की हस्तियों, फिल्म निर्माताओं, अंतरराष्ट्रीय मीडिया प्रतिनिधियों और मनोरंजन जगत से जुड़े लोगों के शामिल होने की उम्मीद है।

जेलर 2 की बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड तोड़ कमाई, हो रहा विवाद भी

बॉलीवुड की फिल्म जेलर 2 बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड तोड़ कमाई कर रही है। सुपरस्टार रजनीकांत की इस फिल्म ने महज 5-6 दिनों में वर्ल्डवाइड 541 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार कर लिया है। हालांकि, मोहनलाल के फैमियो को लेकर एक विवाद खड़ा हो गया है, जिस पर उनके बॉडी डबल जॉनी कोझकारा ने अपनी चुप्पी तोड़ी है और पूरे मामले पर स्पष्टीकरण दिया है। यह विवाद तब शुरू हुआ जब जेलर 2 की रिलीज के दिन जॉनी कोझकारा ने मेलव्यायाम सुपरस्टार मोहनलाल के साथ कुछ तस्वीरें

सोशल मीडिया पर साझा की। इन तस्वीरों के सामने आने के बाद अटकलें लगने लगी कि फिल्म के कुछ दृश्यों में मोहनलाल की जगह उनके बॉडी डबल का इस्तेमाल किया गया है। उनके दो दर्शकों ने तो यह दावा भी कर दिया कि जॉनी ने मोहनलाल के कई दृश्यों, यहां तक कि फिल्म के क्लाइमैक्स के महत्वपूर्ण दृश्यों को भी अंजाम दिया है, जिससे सोशल मीडिया पर बहुत छिड़ गई। इस विवाद के तूल पकड़ने पर, जॉनी कोझकारा ने यूट्यूब चैनल जगो स्पेस को दिए एक विस्तृत इंटरव्यू में अपनी बात रखी। उन्होंने स्पष्ट किया कि जेलर 2 में उनका रोल केवल सीमित था और

फिल्म में उनके केवल एक या दो शॉट्स का ही इस्तेमाल किया गया है। जॉनी ने बताया, सच कहूँ तो सिर्फ मेरे हाथ और पैर ही फिल्म में दिख रहे हैं। उन्होंने आगे खुलासा किया कि उनके ये शॉट्स क्लाइमैक्स के दौरान एयरपोर्ट के एक सीन में देखने को मिलते हैं, जहाँ वे गाड़ी चलाते हुए गियर बदल रहे हैं और एक्सीलरेटर दबा रहे हैं। जॉनी ने यह भी कहा कि उन्हें लगता है कि शूटिंग शेड्यूल या समय की कमी के कारण उन्हें इस छोट्टे से काम के लिए लिया गया होगा, न कि किसी बड़े दृश्य के लिए। उन्होंने मोहनलाल को दुनिया के बेहतरीन

अभिनेताओं में से एक बताते हुए उन सभी दावों को सिर से खारिज कर दिया कि उन्होंने क्लाइमैक्स के बड़े दृश्यों में अभिनय किया या फिल्म में उनका चेहरा दिखाया गया। जॉनी की इस सफाई से मोहनलाल के फैमियो को लेकर फैला भ्रम काफी हद तक दूर हो गया है और यह स्पष्ट हो गया है कि फिल्म में मोहनलाल की उपस्थिति उनकी असली पहचान के साथ ही थी। मालूम हो कि फिल्म में रजनीकांत के अलावा मिथुन चक्रवर्ती और विद्या बालन भी मुख्य भूमिकाओं में हैं, वहीं रूतिका रोशन और मोहनलाल जैसे दिग्गजों के फैमियो ने दर्शकों को खूब तृप्ता किया है।



एसएसपी के पुत्र द्वारा फायरिंग मामले में विधायक इंद्रशाह मंडावी ने उठाए सवाल

मोहला –मानपुर विधायक इंद्रशाह मंडावी ने प्रेस कॉन्फेंस कर मामले की निष्पक्ष जांच और वैधानिक कार्रवाई की मांग की है

नई दृष्टिबिंदु / मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी



मोहला-मानपुर- अंबागढ़ चौकी जिले के रक्षित केंद्र में विजयदासमी पर शस्त्र पूजा के दौरान एसएसपी वाय.पी. सिंह के पुत्र द्वारा कायित हर्ष फायरिंग के वायरल वीडियो को लेकर मोहला-मानपुर विधायक इंद्रशाह मंडावी ने सवाल उठाए हैं। विधायक ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मामले की निष्पक्ष जांच और वैधानिक कार्रवाई की मांग की है।

विधायक ने बताया कि रक्षित केंद्र में शस्त्र पूजा के दौरान एसएसपी वाय.पी. सिंह और उनके पुत्र द्वारा हर्ष फायरिंग का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। यह वीडियो 15 नवंबर 2026 का है।

इंटरग्राम पेज पर प्रसारित हुआ है, जिसे मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी पुलिस का अधिकारी-पंज बताया जा रहा है।

विधायक मंडावी ने कहा कि यदि वीडियो की प्रामाणिकता पुष्ट होती है तो यह शस्त्रों के सुरक्षित संचालन, सार्वजनिक सुरक्षा और पुलिस विभाग के नियमों-अनुशासन के उल्लंघन का गंभीर मामला है। शस्त्र धार्या प्रामािक परंपरा है, लेकिन इस दौरान भी कानूनी प्रावधानों और सुरक्षा मानकों का पालन अनिवार्य है। हर्ष फायरिंग से गोली के अनियंत्रित होकर गिरने से गंभीर हादसे की आशंका बनी रहती है।

पूरे छत्तीसगढ़ में चर्चा का विषय बना मामला विधायक ने कहा कि जब विजयदासमी पर पुलिस अधिकारियों द्वारा हर्ष फायरिंग को लेकर सवाल उठ रहे हैं, तब पुलिस अधीक्षक के पुत्र द्वारा उनकी मौजूदगी में रक्षित केंद्र जैसे संवेदनशील परिसर में फायरिंग का मामला विशेष सतर्कता और निष्पक्ष जांच की मांग करता है।

एसएसपी की जवाबदेही तय हो

उन्होंने मांग की कि जांच की जाए कि क्या एसएसपी की जानकारी, अनुमति या उपस्थिति में उनके पुत्र ने फायरिंग की। रक्षित केंद्र में हथियारों के नियंत्रण का क्या व्यवस्था थी और अधिकारियों ने अपने दायित्वों का निर्वहन किया या नहीं, इसका भी परीक्षण हो।

6 माह का सीसीटीवी फुटेज जांचने की मांग

विधायक ने कहा कि राहगीरों द्वारा अक्सर एसएसपी के पुत्र द्वारा रक्षित केंद्र में फायरिंग की सूचना मिलती रही है। इसलिए पिछले 6 माह के सीसीटीवी फुटेज की जांच आवश्यक है। साथ ही संबंधित सोशल मीडिया पोस्ट, मूल वीडियो, सीसीटीवी फुटेज, प्रत्यक्षदर्शियों के बयान और अन्य डिजिटल साक्ष्यों को सुरक्षित कर निष्पक्ष जांच कराई जाए। उन्होंने कहा कि चूंकि प्रकरण में वरिष्ठ पुलिस अधिकारी का उल्लंघन मिलने पर जांच की सीलसला का सवाल है, इसलिए जांच एसएसपी के प्रशासनिक प्रभाव से मुक्त वरिष्ठ अधिकारी या स्वतंत्र एजेंसी से कराई जाए ताकि किसी को पद या प्रभाव के आधार पर संरक्षण न मिले। जांच में कानूनों और विभागीय निर्देशों का उल्लंघन मिलने पर वैधानिक कार्रवाई हो और भविष्य के लिए सख्त दिशा-निर्देश जारी किए जाएं।

खास खबर

जिला स्तरीय युवा उत्सव 30 अक्टूबर को होगा आयोजित, तैयारियों को दिया जा रहा अंतिम रूप



नई दृष्टिबिंदु / मोहला

जिला स्तरीय युवा उत्सव कार्यक्रम के सफल आयोजन के संबंध में जिला कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर श्रीमती तनुजा सलाम के निदेशांशुसार संयुक्त कलेक्टर डॉ. सुमीन कुमारे गार्ग की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के समस्त विकासखंड शिक्षा अधिकारियों (चौहों), प्राध्यापकों, व्यायाम शिक्षकों एवं पोषण शिक्षकों सहित संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

बैठक में युवा उत्सव 2026 के आयोजन की तैयारियों, प्रतिभागियों के पंजीयन, कार्यक्रम को रूपरेखा तथा आवश्यक व्यवस्थाओं के संबंध में विस्तार से चर्चा की गई। संयुक्त कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि अधिक से अधिक युवाओं का पंजीयन सुनिश्चित करते हुए उनकी सक्रिय सहभागिता के लिए आवश्यक प्रयास किए जाएं। साथ ही कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए सप्ते गण दायित्वों का सम्यबद्ध एवं व्यवस्थित ढंग से निर्वहन करने पर जोर दिया गया।

बैठक में कार्यक्रम की आयोजन तिथि एवं समय में परिवर्तन करते हुए युवा उत्सव का आयोजन 30 अक्टूबर 2026 को प्रातः 11 बजे निर्धारित किया गया। इसके साथ ही प्रतिभागियों को आयोजन स्थल तक पहुंचने में होने वाली असुविधा को कम करने के उद्देश्य से यात्रा एवं परिवहन व्यवस्था को सुगम बनाने के संबंध में भी चर्चा की गई। संयुक्त कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ सभी आवश्यक तैयारियां समय पर पूर्ण करने तथा युवा उत्सव को सुव्यवस्थित एवं सफल बनाने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा प्रोत्साहन छात्रवृत्ति योजना के लिए 30 अक्टूबर तक करें आयोजन अंतिम

मोहला। छत्तीसगढ़ राज्य के प्रतिभाधान एवं निम्न आय वर्ग के प्रभावशाली को राष्ट्रीय स्तर के प्रतिष्ठित उच्च स्वास्थ्य शिक्षा संस्थानों में प्रवेश प्राप्त करने के लिए तात्कालिक सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा प्रोत्साहन छात्रवृत्ति योजना संचालित का जा रही है। योजनांतर्गत शिक्षण सत्र 2026-27 में आईआईटी, एम्स, आईआईएम, एमएलए, एमबीबीएस, एनआईटी एवं आईआईआईटी जैसे संस्थानों में चयनित होकर प्रवेश लेने वाले पात्र विद्यार्थी आवेदन कर सकते हैं।

सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास कार्यालय मोहला से प्राप्त जानकारी के अनुसार, योजना का लाभ लेने के इच्छुक विद्यार्थी निर्धारित आवेदन प्रपत्र में अपना आवेदन 30 अक्टूबर 2026 तक कार्यालय सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास, मोहला में रिजस्टर्ड डाक के माध्यम से अथवा स्वयं उपस्थित होकर ऑफलाइन जमा कर सकते हैं। आवेदन का प्रभाव कार्यालय सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास, मोहला से अथवा विभागीय पोर्टल <https://eklavya.cg.nic.in/> पर प्राप्त किया जा सकता है। निर्धारित तिथि के पश्चात आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

योजना के तहत आवेदन करने के लिए विद्यार्थी का छत्तीसगढ़ राज्य का मूल निवासी होना अनिवार्य है। साथ ही, विद्यार्थी छत्तीसगढ़ राज्य के लिए अधिसूचित अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति अथवा अन्य पिछड़ा वर्ग की सूची में शामिल होना चाहिए। संबंधित विद्यार्थी का वर्गानुसार उल्लेखित संस्थान में चयन हुआ हो तथा चयन प्रमाण-पत्र और प्रवेश के लिए संबंधित संस्था द्वारा जारी सूचना-पत्र उपलब्ध होना आवश्यक है। योजनांतर्गत पात्र अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों के पालक की वार्षिक आय 2.50 लाख रुपये से अधिक नहीं होनी चाहिए। शासकीय सेवकों के आश्रित एवं योजना के लिए पात्र नहीं होंगे, हालांकि चतुर्थ श्रेणी के शासकीय कर्मचारियों के बच्चे योजना का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। आवेदन केवल निर्धारित प्रपत्र में ही स्वीकार किए जाएंगे। पात्र विद्यार्थियों से अपेक्षा की गई है कि वे निर्धारित समय-सीमा का पालन रखते हुए आवश्यक दस्तावेजों के साथ अपना आवेदन 30 अक्टूबर 2026 तक ऑनलाइन रूप से जमा करें, ताकि योजना के अंतर्गत मिलने वाली सहायता का लाभ प्राप्त करने के लिए समय पर आवेदन किया जा सके।

26वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा स्पर्धा का शुभारंभ पांच संभागों के 330 खिलाड़ी दिखाएंगे खेल प्रतिभा

राजा फतेह सिंह खेल मैदान में चार दिवसीय प्रतियोगिता का आगाज, विधायक हर्षिता स्वामी बघेल ने किया शुभारंभ

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़



खैरागढ़ के राजा फतेह सिंह खेल मैदान में सोमवार को 26वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का भव्य एवं रंगारंग शुभारंभ हुआ। चार दिवसीय इस प्रतियोगिता का उद्घाटन डोंगरगढ़ विधायक श्रीमती हर्षिता स्वामी बघेल ने किया। प्रतियोगिता में प्रदेश के रायपुर, सरगुजा, बिलासपुर, दुर्ग एवं बस्तर संभाग के लगभग 330 खिलाड़ी तथा 50 खेल अधिकारी शामिल हो रहे हैं। इस राज्य स्तरीय आयोजन में बालक एवं बालिका वर्ग के खिलाड़ी फुटबॉल एवं खो-खो प्रतियोगिताओं में अपनी खेल प्रतिभा, कोशल और टीम भावना का प्रदर्शन करेंगे। उद्घाटन समारोह में खिलाड़ियों का उत्साह, स्कूली बच्चों की मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और खेल के प्रति उत्साहपूर्ण वातावरण आकर्षण का केंद्र रहा।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती प्रियंका खन्हन तासकर, जिला पंचायत उपाध्यक्ष विक्रान्त सिंह, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रेम कुमार पटेल सहित जनप्रतिनिधियों, शिक्षा एवं खेल विभाग के अधिकारियों तथा गणमान्य नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति रही। अतिथियों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए उद्घोष आशुशन, परीक्षम और खेल भावना के साथ प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया।

उद्घाटन समारोह के दौरान जिला पंचायत उपाध्यक्ष विक्रान्त सिंह ने गोल पोस्ट में गोल मारकर फुटबॉल प्रतियोगिता की औपचारिक शुरुआत की। इसके साथ ही मैदान में खिलाड़ियों एवं दर्शकों का उत्साह देखने ही बन रहा था। राष्ट्रीय स्तर की फुटबॉल खिलाड़ी एवं वेलसियन स्कूल, खैरागढ़ की छात्र वर्गिका सिंह ने प्रतियोगिता में शामिल खिलाड़ियों को खेल भावना, अनुशासन, निष्पक्षता और नियमों का पालन करते हुए श्रेष्ठ प्रदर्शन करने की शपथ दिलाई। इस अवसर पर स्कूली विद्यार्थियों और मानसिक विकास के साथ अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता, सहयोग और आपसी सद्भाव का भावना विकसित करती हैं। उन्होंने कहा कि

उपेंद्र कुमार देवांगन ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन किया।

उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए डोंगरगढ़ विधायक श्रीमती हर्षिता स्वामी बघेल ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि खेल विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का महत्वपूर्ण माध्यम है। खेल गतिविधियों के सर्वांगीण विकास के साथ खेल गतिविधियों की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। खेल प्रतिभाओं को निखारने के लिए सकारात्मक वातावरण, उचित

खेल के मैदान में मिलने वाली सफलता और चुनौतियां जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा देती हैं। खिलाड़ियों को जीत और हार से ऊपर उठकर खेल भावना के साथ अपनी प्रतिभा का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहिए। उन्होंने सभी खिलाड़ियों को निरंतर अभ्यास, हठ संकल्प और खेल के बल पर राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने के लिए प्रोत्साहित किया।

जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती प्रियंका खन्हन तासकर ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि राज्य स्तरीय प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करती हैं। ऐसे आयोजनों से विभिन्न क्षेत्रों के खिलाड़ियों को एक-दूसरे से सीखने, अनुभव साझा करने और स्वस्थ प्रतियोगिता की भावना विकसित करने का अवसर मिलता है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं।

जिला पंचायत उपाध्यक्ष विक्रान्त सिंह ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल जीवन में अनुशासन, निरंतर प्रयास और सामूहिक जिम्मेदारी का महत्व सिखाते हैं। उन्होंने खिलाड़ियों को पूरे उत्साह, आत्मविश्वास और टीम भावना के साथ प्रतियोगिता में भाग लेते तथा अपने विद्यालय, संभाग और जिला का गौरव बढ़ाने के लिए प्रेरित किया।

जिला शिक्षा अधिकारी उपेंद्र कुमार देवांगन ने अपने उद्घोष में कहा कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में शिक्षा के साथ खेल गतिविधियों की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। खेल प्रतिभाओं को निखारने के लिए सकारात्मक वातावरण, उचित

मार्गदर्शन और पर्याप्त अवसर उपलब्ध कराना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता विद्यार्थियों को अपनी क्षमता पहचानने और उच्च स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए तैयार होने का अवसर प्रदान करती है। उन्होंने खिलाड़ियों को खेल भावना के साथ श्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करते हुए खेल गतिविधियों को प्रोत्साहित करने और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

चार दिवसीय इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में रायपुर, सरगुजा, बिलासपुर, दुर्ग एवं बस्तर संभाग के खिलाड़ी फुटबॉल और खो-खो की विभिन्न स्पर्धाओं में भाग लेंगे। प्रतियोगिता के माध्यम से खिलाड़ियों को अपनी तकनीकी दक्षता, शारीरिक क्षमता, रणनीतिक कोशल और टीम भावना का प्रदर्शन करने का अवसर मिलेगा। साथ ही विभिन्न संभागों से आए विद्यार्थियों के बीच आपसी परिचय, सहयोग और सद्भाव को बढ़ावा मिलेगा। इस आयोजन से जिले में खेल गतिविधियों को नई ऊर्जा मिलने के साथ प्रतिभावान खिलाड़ियों को आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी।

उद्घाटन समारोह में शिक्षा संभाग दुर्ग से के.के. शुक्ला, कल्याण स्वामी एवं सहायक संचालक मनोहर चंदेल, जिला खेल अधिकारी किशोर कश्यप, पुत्र क्रीड़ा अधिकारी कन्हैया पटेल सहित विभिन्न संभागों से आए प्रमुख अधिकारी, पीटीआई, जनरल मैजस्ट्र, विकासखंड शिक्षा अधिकारी, बीआरसी तथा शिक्षा एवं खेल विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में खिलाड़ी, स्कूली विद्यार्थी, जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक शामिल हुए।

ग्राम दल्लाी परसहरी में स्वास्थ्य-पोषण सेवा संगम शिविर का किया आयोजन जनजातीय समुदाय को स्वास्थ्य और पोषण के प्रति किया गया जागरूक

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़



विकसित भारत-2047 के लक्ष्य की प्राप्ति एवं जनजातीय समुदाय के सकारात्मक को दिशा में जिले में स्वास्थ्य, पोषण और स्वच्छता संबंधी सेवाओं का विस्तार किया जा रहा है। इसी क्रम में जनजातीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशानुसार राष्ट्रीय पोषण माह एवं स्वास्थ्य-पोषण सेवा संगम कार्यक्रम के अंतर्गत विकासखंड छुईखदान के ग्राम दल्लाी परसहरी स्थित बहुउद्देशीय केंद्र में विशेष शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में ग्रामीणों, गर्भवती महिलाओं, शिशुवती माताओं, किशोरी बालिकाओं एवं बच्चों को स्वास्थ्य, पोषण, स्वच्छता तथा महिला एवं बाल विकास विभाग की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई।

शिविर के दौरान किशोरी बालिकाओं को व्यक्तिगत एवं मासिक धर्म स्वच्छता के प्रति जागरूक करते हुए स्वच्छता किट का वितरण किया गया। गर्भवती महिलाओं की पारंपरिक गोदभराई की रस्म संपन्न करारकर उन्हें सुरक्षित मातृत्व, नियमित स्वास्थ्य जांच एवं पौष्टिक आहार के महत्व से अवगत कराया गया। साथ ही स्वस्थ शिशुओं के लिए पोषण एवं स्वास्थ्य संबंधी गतिविधियां आयोजित कर किट वितरित की गई।

कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास विभाग की पर्यवेक्षक श्री प्रेमलता पुरे एवं सुश्री मुकुंदेश्वरी कवर ने विभागीय योजनाओं और पोषण संबंधी सेवाओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने गर्भवती महिलाओं को सुतुलित आहार, आयरन एवं फोस्फ तत्वों से भरपूर भोजन तथा नियमित स्वास्थ्य जांच के महत्व के बारे में बताया। शिशुवती माताओं की जन्म के बाद छह माह तक शिशु को केवल स्तनपान करने तथा छह माह पूर्ण होने के बाद स्तनपान जारी रखते हुए पूरक आहार प्रारंभ करने की सलाह दी गई।

किशोरी बालिकाओं को सुतुलित भोजन, व्यक्तिगत स्वच्छता एवं स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक सावधानियों की जानकारी प्रदान की गई।

महिला एवं बाल विकास विभाग के परियोजना अधिकारी सुनील बंजारे ने कहा कि मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य में सुधार तथा कुपोषण की रोकथाम के लिए समुदाय में पोषण एवं स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता अत्यंत आवश्यक है। गर्भवती महिलाओं, शिशुवती माताओं, किशोरी बालिकाओं एवं बच्चों को समय पर उचित पोषण और स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना विभाग की प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि ऐसे शिविरों के माध्यम से दूरस्थ एवं जनजातीय क्षेत्रों में शासन को योजनाओं और सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करने के साथ स्वास्थ्य, सुपोषित एवं जागरूक समाज के निर्माण को बढ़ावा दिया जा रहा है।

शिविर में ग्राम पंचायत के सरपंच एवं पंच, ग्रामवासी, पालकगण, बच्चे, किशोरी बालिकाएं, गर्भवती एवं शिशुवती माताएं, मितांन तथा महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

मेराशन बैटक

विवेचना में लापरवाही बरतने वालों पर होगी अनुशासनात्मक कार्रवाई

आईजी रेंज राजनांदगांव ने ली बैटक, लंभित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के निर्देश

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव



प्रजनदर्शन शिवालय तथा विभिन्न प्रशासनिक एवं विभागीय कार्यों की एजेंडा विदुवार समीक्षा की गई।

में सुबाय, जवाबदेही और सम्यबद्ध कार्रवाई को प्राथमिकता देने पर जोर दिया। लंभित प्रकरणों की निगरिनि मॉनिटरिंग और शिकायतों पर विधिस्मत्त कार्रवाई के निर्देश दिए।

जनदर्शन शिवालय तथा विभिन्न प्रशासनिक एवं विभागीय कार्यों की एजेंडा विदुवार समीक्षा की गई।

में सुबाय, जवाबदेही और सम्यबद्ध कार्रवाई को प्राथमिकता देने पर जोर दिया। लंभित प्रकरणों की निगरिनि मॉनिटरिंग और शिकायतों पर विधिस्मत्त कार्रवाई के निर्देश दिए।

नई दृष्टिबिंदु / रायनांदगांव



राजनांदगांव। अधिरूप से मांस विक्रय करने वालों के विरुद्ध नगर निगम, खाद्य एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम की कार्रवाई लगातार जारी है। आज शाम नई रोड के बिरयानी सेंटरों में जांच कर 3 धरेतु सिलेंडर जप्त किए गए। पकड़ी महामोहर मधुसूदन यादव ने निगम आयुक्त जी. आर. मरकाम के साथ नई रोड का दौरा किया। स्थानीय लोगों की शिकायत थी कि मदन मार्केट से निकला मीट अप्रशोधित, गिरा और जानवरों द्वारा घरों के आसपास छेड़ दिया जाता है। शिकायत पर महामोहर ने मदन मार्केट का निरीक्षण कर व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने माने अप्रशोधित को मौके पर ही जलाने के लिए डिस्पेन्डर सिस्टम लगाने को कहा। स्वच्छ भारत मिशन प्रभारी निफक खांडे ने बताया कि निवर्तित प्रक्रिया अंतिम चरण में है, सिस्टम लाने पर प्रति घंटे 100 लीटर अप्रशोधित जल जा सकेगा। शाम को संयुक्त टीम ने नई रोड के दौमर विकन सेंटर, के.जी. पूर, विकन सेंटर एवं लक्की विकन सेंटर में व्यवस्थित कार्य में धरेतु सिलेंडर का उपयोग हुए जांच पर 1-1 कर कुल 3 सिलेंडर जप्त किए। अंसारी किचन, अल जमजम बिरयानी सेंटर सहित अन्य स्थानों से विकन बिरयानी के सौपल लिए गए और लाइसेंस दस्तावेजों की जांच की गई।

नई दृष्टिबिंदु / सोमनी



शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला सोमनी में आज शिक्षक-पालक मेगा बैठक का आयोजन

कार्यक्रम में प्राचार्य श्रीमती सविता अवस्थी, शाला प्रबंधन समिति अध्यक्ष नरोत्तमदास बंजारे, ग्राम पंचायत सोमनी की सरपंच श्रीमती अनीता साहू, शिक्षाविद् एवं जनकल्याण सामाजिक संस्थान के अध्यक्ष योगेंद्र प्रताप सिंह, व्याख्यात जी.डी. गुरु, सुनील भागवत, ईश्वरी कोराम, निरंज दुराकर, श्रीमती ममला सिंह, हॉस्टल अधीक्षक श्रीमती रेणुका मिश्रा सहित शाला प्रबंधन समिति के सदस्य और बड़ी संख्या में पालक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में प्राचार्य श्रीमती सविता अवस्थी, शाला प्रबंधन समिति अध्यक्ष नरोत्तमदास बंजारे, ग्राम पंचायत सोमनी की सरपंच श्रीमती अनीता साहू, शिक्षाविद् एवं जनकल्याण सामाजिक संस्थान के अध्यक्ष योगेंद्र प्रताप सिंह, व्याख्यात जी.डी. गुरु, सुनील भागवत, ईश्वरी कोराम, निरंज दुराकर, श्रीमती ममला सिंह, हॉस्टल अधीक्षक श्रीमती रेणुका मिश्रा सहित शाला प्रबंधन समिति के सदस्य और बड़ी संख्या में पालक उपस्थित रहे।

